मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 7 अंक 180
मंगलवार, 14 जनवरी 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

पीएम मोदी ने कश्मीर में जेड-मोड़ सुरंग का किया उद्घाटन

कश्मीर, 13 जनवरी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जेड-मोड़ सुरंग के उद्घाटन के दौरान उन सात श्रमिकों को श्रद्धांजलि दी, जिन्होंने परियोजना को पूरा करने के दौरान अपनी जान गंवा दी थी। उन्होंने अपनी पिछली यात्राओं और कठिन परिस्थितियों के बावजूद वहां के लोगों की गर्मजोशी को याद करते हुए जम्मू-कश्मीर के साथ अपने गहरे संबंध पर भी विचार किया। अपने संबोधन के शुरूआत में उन्होंने कहा कि ये मौसम, ये बर्फ, ये बर्फ की सफेद चादर से ढकी खूबसूरत पहाड़ियां, इन्हें देखकर दिल एकदम प्रसन्न हो जाता है। 2 दिन पहले हमारे मुख्यमंत्री जी ने सोशल मीडिया पर यहां की कुछ तस्वीरें शेयर की थी। उन तस्वीरों को देखने के बाद यहां आपके बीच आने के लिए मेरी बेसब्री और बढ़ गई थी।

मोदी ने कहा कि आज का दिन बहुत ही खास है। आज देश के हर कोने में उत्सव का माहौल है। आज से ही प्रयागराज में महाकुंभ आरंभ हो रहा है। करोड़ों लोग वहां पवित्र स्नान के लिए उमड़ रहे हैं। आज पंजाब समेत पूरा उत्तर भारत लोहड़ी की उमंग से भरा है। ये समय उत्तरायण, मकर संक्रांति, पोंगल जैसे कई त्योहारों का है। उन्होंने कहा कि मैं देश और दुनिया में इन त्योहारों को मना रहे सभी लोगों के मंगल की कामना करता हूं। उन्होंने कहा कि ये मौसम सोनमर्ग जैसे पर्यटन स्थल के लिए नए मौके भी लाता है। देश भर से सैलानी यहां पहुंच रहे हैं। कश्मीर की वादियों में आकर वो लोग आपकी मेहमाननवाजी का भरपूर आनंद ले रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज मैं एक बड़ी सौगात लेकर आपके

एक सेवक के रूप में आपके बीच आया हूं। कुछ दिन पहले मुझे जम्मू में आपके अपने रेल डिवीजन का शिलान्यास करने का अवसर मिला था। ये आपकी बहुत पुरानी डिमांड थी। आज मुझे सोनमर्ग टनल देश को और आपको सौंपने का मौका मिला है। यानी जम्मू-कश्मीर की, लद्दाख की एक और बहुत पुरानी डिमांड आज पूरी हुई है। उन्होंने कहा कि आप पक्का मानिए, ये मोदी है वादा करता है, तो निभाता है। हर काम का एक समय होता है और सही समय पर सही काम भी होने वाले हैं।

मोदी ने कहा कि केंद्र में हमारी सरकार बनने के बाद ही 2015 में सोनमर्ग टनल के वास्तविक निर्माण का काम शुरू हुआ था। मुझे खुशी है कि इस टनल का काम हमारी ही सरकार में पूरा भी हुआ है। उन्होंने कहा कि इस टनल से सर्दियों के मौसम में सोनमर्ग की कनेक्टिविटी भी बनी रहेगी। इससे सोनमर्ग समेत इस पूरे इलाके में टूरिज्म को भी नए पंख लगने वाले हैं।

आने वाले दिनों में रेल और रोड कनेक्टिविटी के बहुत सारे प्रोजेक्ट्स जम्मू-कश्मीर में पूरे होने वाले हैं। उन्होंने कहा कि अब तो कश्मीर वादी रेल से भी जुड़ने वाली है। मैं देख रहा हूं कि इसको लेकर भी यहां जबरदस्त खुशी का माहौल है। उन्होंने कहा कि आज भारत, तरक्की की नई बुलंदी की तरफ बढ़ चला है। हर देशवासी 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में जुटा है। ये तभी हो सकता है, जब हमारे देश का कोई भी हिस्सा, कोई भी परिवार तरक्की से पीछे न छुटे।

महाकुम्भ संस्कृतियों का संगम है, जो अनेकता में एकता को दर्शाता है : योगी आदित्यनाथ

प्रयागराज, 13 जनवरी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को महाकुम्भ की शुरूआत पर अपनी शुभकामनाएं दीं, जिसे उन्होंने संस्कृतियों का संगम और अनेकता में एकता का संदेश बताया।पौष पूर्णिमा स्नान के साथ महाकुम्भ मेला सोमवार से प्रारंभ हो गया। मेला अधिकारी के मुताबिक, सुबह आठ बजे तक 40 लाख से अधिक लोगों ने संगम और गंगा में आस्था की डुबकी लगाई।आदित्यनाथ ने एक्स पर लिखा, पौष पूर्णिमा की बधाई। विश्व के विशालतम आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक समागम महाकुम्भ का आज से तीर्थराज प्रयागराज में आरंभ हो रहा है। अनेकता में एकता की अनुभूति के लिए, आस्था एवं

आधुनिकता के संगम में साधना एवं पवित्र स्नान के लिए पधारे सभी पूज्य सन्तों, कल्पवासियों, श्रद्धालुओं का हार्दिक स्वागत है। मां गंगा आप सभी की मनोकामना पूर्ण करें।

उन्होंने कहा, महाकुम्भ प्रयागराज के आरंभ एवं प्रथम स्नान की मंगलमय शुभकामनाएं। सनातन गर्व-महाकुम्भ पर्व। एक अन्य पोस्ट में मुख्यमंत्री ने कहा, जहां संस्कृतियों का संगम भी है, श्रद्धा और समरसता का समागम भी है। अनेकता में एकता का संदेश देता महाकुम्भ-2025, प्रयागराज मानवता के कल्याण के साथ ही सनातन से साक्षात्कार करा रहा है।

राज्यपाल ने बीपीएससी परीक्षा विवाद को सुलझाने का आश्वासन दिया : प्रशांत किशोर

पटना, 13 जनवरी। जनसुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने दावा किया कि बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने हाल ही में संपन्न बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की प्रारंभिक परीक्षा को लेकर जारी गतिरोध को खत्म करने हेतु हस्तक्षेप करने की पेशकश की है। किशोर ने पटना में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि राज्यपाल की पहल पर एक प्रतिनिधिमंडल दोपहर बाद राजभवन जाएगा और उन्हें आंदोलनकारी छात्रों की शिकायतों से अवगत कराएगा।

किशोर ने यह भी कहा कि वह अपना आमरण अनशन जारी रखेंगे। अनशन के दौरान तबीयत खराब होने पर किशोर को पटना के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्होंने कहा, आदरणीय राज्यपाल ने पहल की है और उन्होंने आश्वासन दिया है कि हाल ही में संपन्न बीपीएससी परीक्षा से जुड़े विवाद का समाधान खोजने के प्रयास किए जाएंगे। इस मुद्दे पर सरकार और प्रदर्शनकारी अभ्यर्थियों के बीच बातचीत के प्रयास भी किए जाएंगे, ऐसा सरकार ने भी आश्वासन दिया है। पूर्व चुनावी रणनीतिकार किशोर ने कहा कि बीपीएससी के अभ्यर्थियों का 11 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल इस संबंध में राज्यपाल से मुलाकात करेगा और उन्हें आंदोलनकारी छात्रों की शिकायतों से अवगत कराएगा। उन्होंने कहा कि प्रतिनिधिमंडल राज्यपाल को ज्ञापन सौंपकर बीपीएससी अभ्यर्थियों की मांगों और बीपीएससी के दावों की उच्चस्तरीय जांच की मांग करेगा। किशोर ने कहा, मेरा आमरण अनशन जारी रहेगा। किशोर (47) को शनिवार को स्वास्थ्य में सुधार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई थी।

सूचना

मकर संक्रांति पर देशवासियो की हार्दिक शुभकामनाएं मकर संक्रांति पर उत्तरशक्ति प्रेस दिनांक 14-1-2025 को बंद रहेगा अगला अंक 16-1-2025 को प्रकाशित होगा

-संपादक

खुशहाल दिल्ली के लिए, कांग्रेस है जरूरी: जयराम रमेश

नई दिल्ली, 13 जनवरी। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने सोमवार को जीवन रक्षा योजना का हवाला देते हुए इस बात पर जोर दिया कि समृद्ध दिल्ली के लिए कांग्रेस जरूरी है। यह योजना 5 फरवरी को होने वाले आगामी दिल्ली विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी द्वारा घोषित की गई है। जयराम रमेश ने एक्स पर लिखा कि मिलेगी स्वास्थ्य सुरक्षा, होगी हर जरूरत पूरी, खुशहाल दिल्ली के लिए, कांग्रेस है जरूरी। जीवन रक्षा योजनाः 25 लाख रुपए का मुफ्त इलाज।

एक अन्य ट्वीट में जयराम रमेश ने लिखा कि देश के भविष्य युवाओं के लिए कांग्रेस की युवा उड़ान योजना, युवाओं को एक साल की अप्रेंटिसशिप, हर महीने मिलेंगे 8,500 रुपए, होगी हर

जरूरत पूरी, कांग्रेस है जरूरी। कांग्रेस ने 8 जनवरी को 'जीवन रक्षा योजना' की घोषणा की, जिसमें प्रति परिवार 25 लाख रुपये का स्वास्थ्य कवर देने का वादा किया गया। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में यह घोषणा की। गहलोत ने इस योजना को दिल्ली में गेम चेंजर बताया। दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस द्वारा घोषित यह तीसरा प्रमुख चुनावी वादा है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के महासचिव सचिन पायलट ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि वित्तीय सहायता युवा उड़ान योजना के तहत प्रदान की जाएगी और यह सहायता मुफ्त में नहीं है। पायलट ने कहा, हम उन युवाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करेंगे, जो किसी कंपनी, कारखाने या संगठन में अपना कौशल दिखा सकते हैं। इन कंपनियों के जरिए उन्हें ये पैसे मिलेंगे। यह कोई ऐसी योजना नहीं है, जिसके तहत घर बैठे पैसे मिल जाएंगे।

संवाददाता सम्मेलन के दौरान कांग्रेस के दिल्ली प्रभारी काजी निजामुद्दीन, पार्टी की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष देवेंद्र यादव और पार्टी की छात्र इकाई नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) के अध्यक्ष वरुण चौधरी भी मौजूद थे। पायलट ने कहा, हम उन्हें कंपनियों या कारखानों में काम करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे और उनकी मदद करेंगे। इसलिए हम कंपनियों के माध्यम से उन्हें यह धनराशि देने की कोशिश करेंगे।

यह घर बैठे लोगों को भत्ता देने की योजना नहीं है।

केरल में जलाशय में गिरने से दो लड़कियों की मौत

त्रिशूर, 13 जनवरी। केरल के त्रिशूर जिले में पीची जलाशय में गिरने से दो लड़कियों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य लड़कियों की हालत गंभीर है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान ऐनी ग्रेस (16) और अलीना (16) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि दोनों त्रिशूर की रहने वाली थीं।

पुलिस ने बताया कि यह घटना रविवार को उस समय हुई, जब लड़कियां एक उत्सव मनाने के लिए अपनी एक सहेली के घर आई थीं और बांध देखने चली गईं। स्थानीय निवासियों के हवाले से पुलिस ने बताया कि लड़कियां चट्टान से फिसलकर जलाशय में

गिर गईं।

पुलिस ने बताया कि स्थानीय निवासियों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए चार लड़कियों को पानी से बचा लिया और सभी को तुरंत त्रिशूर के एक निजी मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया। पुलिस के अनुसार, अलीना की सोमवार सुबह मृत्यु हो गई तथा ऐनी ने दोपहर तक दम तोड़ दिया। दो अन्य लड़कियों की हालत गंभीर बनी हुई है।

दिव्यांगजनों को सिर्फ कंबल ही नहीं, रोजगार भी देती है ए.के.एम.डी.

- 300 से अधिक जरुरतमंदों में बांटा गया कंबल
- कंबल पाकर असहाय विधवा, दिव्यांगजन व बुजुगों के खिल उठे चेहरे

सुरेश गांधी

वाराणसी। भुलना देवी बेचन वर्मा जन सेवा ट्रस्ट द्वारा संचालित ए.के.एम.डी. स्पेशल कॉलेज ऑफ एजूकेशन, अटेसुआ-मुरदहाबाजार, वाराणसी के तत्वावधान में रविवार को 300 से अधिक दिव्यांगजनों, बुजुर्गो व विधवाओं के बीच कंबल का वितरण किया गया। कंबल के लिए इन लोगों को ग्रामीण क्षेत्रों से बुलाया गया था. बता दें, ट्रस्ट द्वारा दिव्यांगजनों, विधवा तथा 60 साल से ऊपर से बेसहारा महिला-पुरुष वृद्धों को विभिन्न तरह की

मुफ्त सेवा दी जाती है. इसी के तहत विभिन्न गांवों से आएं जरुरतमंदों के बीच कंबल का वितरण किया गया. कंबल पाकर हर जरुरतमंद के चेहरे खिल उठे.

ट्रस्टी अशोक कुमार वर्मा ने बताया कि वृद्ध, विधवा और दिव्यांग लोगों को समय-समय पर तरह-तरह की सुविधा भी दी जाती है. उनका मकसद सिर्फ जरुजतमंदों को कंबल या अन्य सुविधाएं ही देना नहीं है, बल्कि वो उन्हें रोजगार भी प्रदान कराते है। ऐसा वह पिछले दो-तीन सालों से करते आ रहे है। उनका कहना है कि ए.के.एम.डी. बेसहारा, असहाय वृद्ध लोगों के लिए एक वरदान की तरह है. इस मौके पर मुख्य अतिथि एवं भाजपा जिला सचिव राणा चौहान, सहायक सेक्रेटरी अजगरा विधायक टी राम के प्रतिनिधि सिकंदर राम के हाथों गरीबों, असहायों में कंबल वितरित की गई। इस दौरान उन्होंने ए.के.एम.डी. स्पेशल कॉलेज ऑफ एजूकेशन के कार्यो की सराहना करते हुए कहा कि कड़ाके की ठंड के बीच दिव्यांगों को कंबल मिलने से उनके चेहरे पर जो खुशी देखने को मिली, वो काबिलेतारीफ है। इसके लिए संस्थान की जितनी भी सराहना की जाएं कम है।

उन्होंने कहा कि ठंड के मौसम में जरूरतमंदो के बीच कंबल वितरण किया जाना पुण्य का काम हैं।

इससे ठंड से राहत मिलेगी। उन्होंने ग्रामीणों से अपील किया कि ठंड में अनावश्यक रूप से बिना गर्म कपड़ो के बाहर न निकलें, बहुत जरूरी होने पर सिर ढककर ही बाहर निकले और शाम सुबह अलाव का भी सहारा लें। ट्र स्टी अर्चना पटेल ने कहा कि ग्रामीणों के बीच हर साल ट्रस्ट द्वारा कंबल वितरण किया जाता हैं। आज दिव्यांगजन, वृद्ध, और असहाय महिलाओं-पुरुषों के बीच कंबल वितरण किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रबुद्ध व्यक्तियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने बताया कि ट्रस्ट समाजसेवा और परोपकार में अग्रणी है।

भीषण आग से अमेरिका ही नहीं, दुनिया सबक ले

-ललित गर्ग

अमेरिका के लॉस एंजेलिस में जंगल की बेकाबू आग फेलने, भारी तबाही, महाविनाश और भारी जन-धन की क्षति ने साबित किया है कि दुनिया की नंबर एक महाशक्ति भी कुदरत के रौद्र के सामने बौनी ही साबित हुई है। न केवल अमेरिका के इतिहास में बल्कि दुनिया के इतिहास यह जंगल की आग सबसे भयावह, सर्वाधिक विनाशकारी एवं डरावनी साबित हुई है। आग धीमी होने का नाम नहीं ले रही है। बल्कि और तेजी से बढ़ती जा रही है और इसका कारण 160 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली हवाएं हैं। ये हवाएं इस आग को और भड़का रही हैं, तबाही का मंजर बन रही है, जिसे रोकना अमेरिका प्रशासन के लिए एक चुनौती बन गया है। अमेरिकी सेना के सी-130 विमान और फायर हेलीकॉप्टर हर संभव कोशिश कर रहे हैं। लेकिन हवा की गति और आग की लपटों की ताकत के आगे दुनिया की सबसे बड़ी ताकत के तमाम प्रयास नाकाफी एवं बेबस साबित हो रहे हैं। अनियंत्रित विकास, पर्यावरण की घोर उपेक्षा एवं भौतिकतावादी सोच इस आग का बड़ा कारण है। खरबों रुपये की संपत्ति और प्राकृतिक संपदा के नष्ट होने के अलावा करीब दो लाख लोगों को विस्थापित होना पड़ा है। आलीशान बंगलों, सरकारी संरचना तथा नागरिक सुविधा के साधनों के स्वाह होने के साथ करीब 24 लोगों के मारे जाने की खबर है। करीब दो लाख लोगों को घर-बार छोड़कर जाने के लिये तैयार रहने को कहा गया है। अमेरिका संस्कृतिविहीन देश बनता जा रहा है- यह राष्ट्र भौतिक विकास, पर्यावरण उपेक्षा एवं शस्त्र संस्कृति पर सवार है। वहां के नागरिक अपने पास जितने चाहें, उतने भौतिक संसाधन रख सकते हैं। सुविधावादी जीवनशैली के शिखर एवं तमाम सुरक्षा परिस्थितियों में जीने के बावजूद यह देश आज कितना असहाय एवं बेबस है। विकास की बोली बोलने वाला, विकास की जमीन में खाद एवं पानी देने वाला, दुनिया में आधुनिकता, तकनीक एवं विकास की आंधी लाने वाला अमेरिका जब खुद ऐसी भीषण आग की तबाही का शिकार होने लगा तो उसकी नींद टूटी हैं, उसे अपनी असलियत का पता लगा। दुनिया को सुरक्षा एवं विकास का आश्वासन देने वाला देश आज खुद अपनी रक्षा नहीं कर पा रहा है। वहां के आधुनिक तकनीक से लेस दमकल विभाग व सुरक्षा बलों की तमाम कोशिशों के बावजूद आग बेकाबू है। लोग असहाय होकर अपनी जीवन भर की पूंजी को स्वाह होते देख रहे हैं। जलवायु परिवर्तन के चलते तल्ख होते मौसम से हालात और खराब होने की आशंका जतायी जा रही है। आग के बाद का जो मंजर नजर आ रहा है उसे देखकर ऐसा लगता है मानो कोई बम गिराया गया हो। विडंबना यह है कि आपदा में अवसर तलाशने वाले कुछ लोग खाली कराये गए घरों में लूटपाट से भी बाज नहीं आ रहे हैं। हॉलीवुड हिल्स इलाके में करीब साढ़े पांच हजार से अधिक इमारतों के नष्ट होने की खबर है। कई नामी फिल्मी हस्तियों के घर, जैसे बिली क्रिस्टल, मैंडी मूर, जेमी ली कर्टिस और पेरिस हिल्टन शामिल हैं एवं व्यावसायिक इमारतें व सार्वजनिक संस्थान आग की भेंट चढ़े हैं। वहां की आस्थाएं एवं निष्ठाएं इतनी जख्मी हो गयी कि विश्वास जैसा सुरक्षा-कवच मनुष्य-मनुष्य के बीच रहा ही नहीं। साफ चेहरों के भीतर कौन कितना बदसूरत एवं उन्मादी मन समेटे है, कहना कठिन है। अमेरिका की विकास की होड़ एवं तकनीकीकरण की दौड़ पूरी मानव जाति को ऐसे कोने में धकेल रही है, जहां से लौटना मुश्किल हो गया है। ईश्वर की बनायी संरचना में दखल का ही परिणाम है कि प्रकृति इतना रौद्र एवं विध्वंसक रूप धारण किया है।

अमेरिका आज दुनिया में प्रकृति के दोहन, अपराध का सबसे बड़ा अड्डा है और हिंसा की जो संस्कृति उसने दुनिया में फैलाई, आज वह स्वयं उसका शिकार है। अमेरिका के इतिहास में यह जंगल की आग सबसे भयावह साबित हुई है। चिंता की बात यह है कि इलाके में हाल-फिलहाल बारिश होने की संभावना नहीं है, जिससे जंगल की आग जल्दी काबू में आ सकती। एक बड़े इलाके में बिजली आपूर्ति ठप होने व पानी की आपूर्ति में बाधा संकट को और बढ़ा रही है। लोगों की सुरक्षित स्थानों में जाने के लिये अफरा-तफरी से जगह-जगह ट्रैफिक जाम लग रहे हैं। पानी का दबाव कम होने से दमकल कर्मियों को आग बुझाने में परेशानी आ रही है। घोर अव्यवस्था एवं कुप्रशासन फेला है। दरअसल यह आग लॉस एंजेलिस के उत्तरी भाग में लगी, जिसने बाद में कई बड़े शहरों को अपनी चपेट में ले लिया। तेज हवाओं व सूखे मौसम के कारण आग ज्यादा भड़की है। सूखे पेड़-पौधे तेजी से आग की चपेट में आ गए। हालांकि, आग लगने का ठोस कारण अभी तक पता नहीं चला है। हकीकत है कि जंगलों में 95 फीसदी आग इंसानों द्वारा ही लगायी जाती है। वैसे जलवायु परिवर्तन प्रभावों के चलते बदले हालात में अब पूरे साल आग लगने की आशंका बनी रहती है।

अमेरिका दुनिया पर अपना एकछत्र शासन चाहता है। कनाडा, ग्रीनलैंड एवं पनामा को अमेरिका में शामिल करना चाहते हैं। मतलब सीधा सा है जिसकी लाठी उसकी भैंस यानी पावर और पैसे के बल पर खुद को बलवान और सुपरपावर मुल्क समझने वाला अमेरिका एक आग के आगे बेबस नजर आ रहा है। कैलिफोर्निया के दक्षिणी हिस्से में शुरू हुई इस जंगल की आग ने अब लॉस एंजलिस जैसे बड़े शहर को राख बना दिया है। पैलिसेड्स में 20 हजार एकड़, ईटन में 14 हजार एकड़, कैनेथ में 1000 एकड़, हर्स्ट में 900 एकड़, लिडिआ में 500 एकड़ में आग फैली है। इन इलाके में राख के बारीक कणों व धुएं की चादर के कारण स्थानीय स्वास्थ्य इमरजेंसी घोषित की गई है। लोगों का जीवन इन सभी स्थानों पर दुर्भर हो गया है। लॉस एंजलिस की इस आग ने न केवल जीवन और संपत्ति को नुकसान पहुंचाया है, बल्कि सूखे और जलवायु परिवर्तन के प्रति गंभीर चेतावनी भी दी है। इससे निपटने के लिए दीर्घकालिक समाधान तलाशना बेहद जरूरी है। आज अमेरिका विकास की चरम अवस्था पर पार कर चुका है। यह आशंका सदैव बनी रही है कि अनियंत्रित विकास एवं प्रकृति विनाश के प्रति समय रहते नहीं चेतने की कीमत सृष्टि के विनाश एवं मानवता के ध्वंस से चुकानी होती है, धरती का पर्यावरण नष्ट हो जाता है। धरती पर मंडराते इसी संकट का प्रतीक है यह आग। बात बहुत ही सीधी सी है कि जब तक प्रकृति डराती नहीं विकास की राहें ऐसे ही बेतहाशा एवं अनियंत्रित आगे बढ़ती रहती हैं। किंतु जब प्रकृति मुस्कुराना भूल जाए तो वह विकास, विकास नहीं रहता। वहां कृत्रिमता दस्तक देने लगती है, धरती करवट बदलने लगती है, अम्बर चीत्कार कर उठता है तब मनुष्य को समझ लेना चाहिए कि अब विनाश की पदचाप सुनाई देने लगी है। अपनी राहें सुरक्षित रखने के वास्ते राहों को मोड़ने पर विचार करना चाहिए। जिद एवं अहंकार में बाजी पलट सकती है, वरना विनाश का दावानल अमेरिका की आग की तरह सब कुछ राख कर देता है। ह्यमन जो चाहे वही करेगा की मानसिकता वहां पनपती है जहां ईश्वर की सत्ता एवं इंसानी रिश्तों के मूल्य समाप्त हो चुके होते हैं, ऐसी स्थिति में शक्तिशाली देश अपनी अनंत शक्तियों को भी बौना बना देता है। यह दकियानूसी ढंग से भीतर की अस्तव्यस्तता को प्रकट करना है। ऐसे देशों के पास सही जीने का शिष्ट एवं अहिंसक सलीका नहीं होता। वक्त की पहचान नहीं होती। ऐसे लोगों में संतुलित विकास, शांतिपूर्ण सहजीवन, सृष्टि का संतुलन एवं सर्वोच्च ईश्वर सत्ता के प्रति सम्मान आदि का कोई खास ख्याल नहीं रहता। भौतिक सुख-सुविधाएं ही जीवन का अंतिम लक्ष्य बन जाता है। एक राष्ट्र मूल्यहीनता, प्रकृति उपेक्षा एवं अहंकारी सोच में कैसे शक्तिशाली बन सकता है? पक्षी भी एक विशेष मौसम में अपने घोंसले बदल लेते हैं। पर मनुष्य अपनी वृत्तियां नहीं बदलता। वह अपनी वृत्तियां तब बदलने को मजबूर होता है जब दुर्घटना, दुर्दिन या दुर्भाग्य का सामना होता है। अमेरिका की आग पक्षियों के इस संदेश को समझने व समय रहते जागने को कह रही है। इस आग से अमेरिका ही नहीं, समूची दुनिया को सबक लेने की जरूरत है।

भ्रष्टाचार,आप के चार नेताओं का जेल जाना इस चुनाव में केजरीवाल के लिए महंगा साबित हो सकता है

अशोक भाटिया

दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए मतदान 5 फरवरी को होगा। दिल्ली में पिछले 10 साल से सत्ता में काबिज आम आदमी पार्टी और केंद्र में सत्ता में काबिज भारतीय जनता पार्टी के बीच सीधा मुकाबला है। यह चुनावी जंग आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल बनाम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का रूप ले चुकी है। भाजपा ने अपने मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार की घोषणा नहीं की है। हालांकि कांग्रेस पार्टी चुनाव में तीसरी पार्टी है, लेकिन विधानसभा में अपना खाता खोलने के लिए उसे जी-जान से संघर्ष करना पड़ रहा है। अभी दिल्ली में बहुत ठंड है। तेज हवाओं के बावजूद राजनीतिक माहौल गर्म है। भाजपा-आप संघर्ष में, आरोप-प्रत्यारोप का खेल चरम पर पहुंच गया है। आप सत्ता की हैट्रिक हासिल करने के लिए संघर्ष कर रही है, जबकि भाजपा केजरीवाल को खलनायक घोषित करके 27 साल बाद दिल्ली में सत्ता खींचने की कोशिश कर रही है। चुनाव कार्यक्रम बज चुका है और आप, भाजपा और कांग्रेस पार्टी के प्रचार ने जोर पकड़ लिया है। बैठकें, जुलूस, घर-घर जाकर मतदाताओं का दौरा, रैलियां और वादे शुरू हो गए हैं। पिछले 10 वर्षों में, आप सरकार ने दिल्लीवासियों को मुफ्त सेवाओं का आदी बना दिया है, सरकारी स्कूलों का कायाकल्प किया है। विशाल और गुणवत्ता वाले स्कूलों ने छात्रों को आकर्षित करना शुरू कर दिया। आप सरकार ने निजी स्कूलों की कीमत पर बेहतर स्कूल बनाने की कोशिश की। उन्होंने मोहल्ला क्लीनिक स्थापित किए और दिल्ली के हर कोने में हजारों आम लोगों को चिकित्सा देखभाल प्रदान की। आप ने 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने का भी काम किया। महिलाओं के लिए मुफ्त बस सेवा और बुजुर्गों के लिए मुफ्त तीर्थयात्रा की घोषणाओं से दिल्ली में आप के वोट बैंक को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। मध्य प्रदेश में, तत्कालीन भाजपा मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की 'लड़की वाहिनी योजना' सुपरहिट हो गई और महिलाओं ने राज्य में भाजपा को सत्ता में वापस ला दिया। महाराष्ट्र में भी महागठबंधन ने विधानसभा चुनाव से पहले लड़की बहन योजना की घोषणा की और सभी महिला वर्गों ने महागठबंधन को सत्ता में वापस लाया। देश भर के आठ राज्यों में प्यारी बहन योजना को खत्म कर दिया गया है। भाजपा की योजना दिल्ली में केजरीवाल द्वारा शुरू की गई थी और उन्होंने महिलाओं को प्रति माह 2,100 रुपये देने का वादा किया था। उन्होंने बुजुर्गों के लिए मुफ्त चिकित्सा उपचार, ऑटो-रिक्शा चालकों के लिए 10 लाख रुपये तक का बीमा और गुरुद्वारों में मंदिर के पुजारियों और ग्रंथियों के लिए 18,000 रुपये प्रति माह की घोषणा की। चुनाव से पहले मतदाताओं पर पैसा बरसाने के लिए आम आदमी पार्टी की आलोचना कौन करेगा? क्योंकि भाजपा भी वही काम कर रही है और भाजपा ने सीटियां बजाकर अन्य राज्यों में सत्ता हासिल की है। आप के नारों को हर घर तक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जा रहा है, इसलिए इस चुनाव में यह देखा जाएगा कि लगातार 10 साल सत्ता में रहने के बावजूद आप के दिग्गजों पर भ्रष्टाचार के आरोपों और चार वरिष्ठ आप नेताओं के जेल जाने के बावजूद रेवड़ियों की बारिश से उसकी धार फीकी पड़ जाएगी।

पिछले 10 वर्षों में, दिल्ली ने विकास कार्यों के प्रदर्शन में वृद्धि देखी है। दीवारों पर नारों का रंग बढ़ गया है। विज्ञापन काम की तुलना में तेज है। दिल्ली में वायु प्रदूषण अपने चरम पर पहुंच गया है। बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग वायु प्रदूषण से पीड़ित हैं। खराब हवा के कारण ट्रेनें और एयरलाइंस बाधित हैं। दिल्ली हर सुबह देर तक प्रदूषित हवा से घिरी रहती है। यमुना नदी प्रदूषित है। दिल्ली प्रदूषित है। दिल्ली को पीने के लिए साफ पानी नहीं मिलता है। गुणवत्ता वाली सड़कों की कमी को लेकर लोगों में आक्रोश है। पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और मंत्री सत्येंद्र जैन जैसे दिग्गज नेता वर्तमान में जमानत पर बाहर हैं। शराब की बिक्री में करोड़ों रुपये के घोटाले ने आप सरकार की छवि को धूमिल किया है। उअॠ ने मुख्यमंत्री आवास पर सौंदर्यीकरण के नाम पर 33 करोड़ रुपये खर्च करने का आरोप लगाया है। कितना होगा यह तय करेगा कि सत्ता पर कौन कब्जा करेगा। इस चुनाव में मुख्य मुद्दा यह है कि क्या दिल्ली में आप के बढ़ते ग्राफ को इस बार शांत किया जाएगा, क्या भाजपा की ताकत उसे सत्ता में आने से रोकेगी। केजरीवाल का चेहरा सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे के लोकपाल आंदोलन से निकला था। शुरू में उनकी छवि एक स्वच्छ चरित्र और भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ने वाले नेता की थी। यह विश्वास करने से था कि केजरीवाल को दिल्ली में लोगों द्वारा सत्ता दी गई थी। आप की सफलता कांग्रेस और भाजपा के लिए एक बड़े आश्चर्य के रूप में आई। उस चुनाव में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी। लेकिन कांग्रेस ने भाजपा को सत्ता में आने से रोकने के लिए अपना समर्थन बढ़ाया और केजरीवाल ने पहली बार मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। आप की पहली सरकार केवल 49 दिनों तक चली थी। जैसे ही केजरीवाल ने जन लोकपाल विधेयक लाने का फैसला किया, कांग्रेस ने समर्थन वापस ले लिया और केजरीवाल को इस्तीफा देने के लिए मजबूर होना पड़ा। 2015 में जब दिल्ली विधानसभा चुनाव हुए तो आप के उम्मीदवारों ने 70 में से 67 सीटों पर जीत हासिल की और आप ने ऐतिहासिक जीत हासिल की। केजरीवाल ने 2020 के विधानसभा चुनावों में दिल्ली की 70 में से 62 सीटें जीतकर दिखाया कि आप का दिल्ली में दबदबा बना हुआ है।

पिछले तीन विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी चर्चा का विषय बनी रही थी और दिल्लीवासियों की प्राथमिकता भी हमारी थी। अब राजनीतिक माहौल काफी बदल चुका है। भाजपा ने प्रचार किया है कि जो लोग भ्रष्टाचार के मुद्दे पर अन्ना हजारे के मंच पर गए, वे भ्रष्ट हैं। केजरीवाल और उनके बेटे भ्रष्टाचार के मुद्दे पर भाजपा से घिरे रहने लगे हैं। भ्रष्टाचार, आप के चार नेताओं को जेल जाना व आज तक जमानत पर रहना और उपराज्यपाल के साथ आप सरकार का मौजूदा टकराव इस चुनाव में केजरीवाल के लिए महंगा साबित हो सकता है।

दिल्ली चुनाव में भारत गठबंधन के भीतर मतभेद उजागर हो गए हैं। आप ने 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस के साथ गठबंधन किया था। दिल्ली में आप ने तीन लोकसभा सीटों पर और कांग्रेस ने चार सीटों पर चुनाव लड़ा था। लेकिन भारत सभी सात सीटें हार गया और मतदाताओं ने सभी सात निर्वाचन क्षेत्रों से लोकसभा के लिए भाजपा सांसदों को फिर से चुना। इसलिए केजरीवाल को एहसास हुआ कि कांग्रेस के साथ गठबंधन उनके लिए नुकसान था। यही कारण है कि आप दिल्ली में अपने दम पर चुनाव लड़ रही है और आप और कांग्रेस के उम्मीदवार एक-दूसरे के खिलाफ खड़े हैं। तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने दिल्ली चुनाव में आम आदमी पार्टी को समर्थन देने का ऐलान किया है। आप बनाम कांग्रेस मुकाबला भाजपा के लिए एक लड़ाई है। केजरीवाल तीन बार मुख्यमंत्री बने, आप लगातार 10 साल से दिल्ली में सत्ता में है, तो दिल्ली विकास का मॉडल क्यों नहीं बन सकी? केजरीवाल को मुफ्त सेवाओं और रेवड़ी संस्कृति और अब प्यारी बहन योजना का सहारा क्यों लेना पड़ रहा है? प्रधानमंत्री ने दिल्ली के मतदाताओं से दिल्ली में संकट को खत्म करने की अपील की है, यही वजह है कि यह चुनाव जनता के लिए कड़ी परीक्षा है।

जीवंत रीति-रिवाजों और परंपराओं से सजा मकर संक्रांति का उत्सव

-डॉ सत्यवान सौरभ

भारत के कई राज्यों में 14 जनवरी को अलग-अलग नामों से सांस्कृतिक उत्सव मनाए जाते हैं- मकर संक्रांति, पोंगल, माघ बिहू आदि। कई हिंदू त्योहारों के विपरीत, इन त्योहारों की तारीख काफी हद तक तय होती है। मकर संक्रांति, भारत में सबसे अधिक मनाए जाने वाले त्यौहारों में से एक है, जो सूर्य के मकर राशि में प्रवेश करने का प्रतीक है, जो सर्दियों के अंत और लंबे दिनों की शुरूआत का प्रतीक है। यह त्यौहार आध्यात्मिक भक्ति और सांस्कृतिक उत्साह का मिश्रण है, जिसे विभिन्न राज्यों में विभिन्न रीति-रिवाजों के साथ मनाया जाता है। यह फसल, समृद्धि और नई शुरूआत का जश्न मनाने का दिन है।

मकर संक्रांति भारत में व्यापक रूप से मनाया जाने वाला फसल उत्सव है, जो सूर्य के मकर राशि में प्रवेश का प्रतीक है। यह सर्दियों के संक्रांति के अंत और लंबे, गर्म दिनों की शुरूआत का प्रतीक है, जो आशा, समृद्धि और नई शुरूआत का प्रतीक है। यह त्यौहार भारत के विभिन्न राज्यों में बहुत सांस्कृतिक और धार्मिक महत्त्व रखता है। मकर संक्रांति सूर्य के मकर राशि में प्रवेश के उपलक्ष्य में मनाई जाती है, जो शुभ उत्तरायण काल की शुरूआत का प्रतीक है। यह फसल के लिए आभार और आने वाले वर्ष में समृद्धि की आशा का समय है। यह दिन गेहूँ, चावल और गन्ना जैसी फसलों की कटाई के मौसम का प्रतीक है। यह सूर्य के उत्तरी गोलार्ध की ओर बढ़ने को दशार्ता है, जो गर्मी और सकारात्मकता लाता है। प्रकृति को धन्यवाद देने और प्रचुरता के लिए कृतज्ञता व्यक्त करने का दिन है।

मकर संक्रांति विविधता में एकता का प्रतीक है, प्रत्येक राज्य अपने अनूठे तरीके से इस त्यौहार को मनाता है। यह समुदाय, नवीनीकरण और कल्याण की भावना का प्रतिनिधित्व करता है। पवित्र स्नान, प्रार्थना और पारंपरिक मिठाइयाँ तैयार करने जैसी रस्में त्यौहार के सार को दशार्ती हैं। विभिन्न क्षेत्रों में पोंगल, माघ बिहू और लोहड़ी जैसे विभिन्न नामों से मनाया जाता है। प्रकृति, कृषि और मौसमी चक्रों के महत्त्व पर प्रकाश डालता है। पतंग उड़ाना, लोक नृत्य और दावतें जैसे अनुष्ठान समुदायों को एक साथ लाते हैं। मकर संक्रांति का उत्सव जीवंत रीति-रिवाजों और परंपराओं से चिह्नित है, जो विभिन्न राज्यों में अलग-अलग हैं, पतंग उड़ाना गुजरात और राजस्थान में विशेष रूप से लोकप्रिय, स्वतंत्रता और खुशी का प्रतीक है। तीर्थयात्री गंगा और यमुना जैसी पवित्र नदियों में अनुष्ठानिक स्नान करते हैं। पारंपरिक भोजन तिल और गुड़ से बनी मिठाइयाँ बांटी जाती हैं। फसल की खुशी मनाने के लिए राज्यों में मेले और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। इस समय कपड़े, भोजन और धन दान करना शुभ माना जाता है। स्नान, सूर्य देव को नैवेद्य अर्पित करना, दान, श्राद्ध कर्म और व्रत खोलना जैसी गतिविधियाँ पुण्य काल के दौरान की जाती हैं। यदि मकर संक्रांति सूर्यास्त के बाद होती है, तो ये गतिविधियाँ अगले सूर्योदय तक स्थगित कर दी जाती हैं। श्रद्धालु अक्सर अपने पापों से शुद्ध होने के लिए गंगा, यमुना, गोदावरी, कृष्णा और कावेरी जैसी पवित्र नदियों में डुबकी लगाते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय पतंग महोत्सव गुजरात के सबसे जीवंत और विश्व स्तर पर प्रसिद्ध कार्यक्रमों में से एक है, जिसे हर साल जनवरी में मकर संक्रांति के दौरान मनाया जाता है। अहमदाबाद में आयोजित होने वाला यह उत्सव दुनिया भर से पतंग के शौकीनों और प्रतिभागियों को आकर्षित करता है। विभिन्न आकार और आकारों की अनूठी पतंगों के उड़ने से आसमान एक रंगीन कैनवास में बदल जाता है। यह कार्यक्रम खुशी, एकता और गुजरात की सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है, जो इसे स्थानीय लोगों और पर्यटकों दोनों के लिए जरूर देखने लायक बनाता है। पतंग उड़ाने के साथ-साथ, इस उत्सव में सांस्कृतिक प्रदर्शन, स्थानीय व्यंजन और शिल्प प्रदर्शनियाँ भी शामिल हैं, जो गुजरात की समृद्ध परंपराओं की सच्ची झलक पेश करती हैं। मकर संक्रांति पर ताजा कटे हुए अनाज खाने का समय होता है, जिसे सबसे पहले देवताओं को चढ़ाया जाता है और फिर खाया जाता है। आयुर्वेद में खिचड़ी खाने की सलाह दी जाती है क्योंकि यह हल्का और आसानी से पचने वाला व्यंजन है। खिचड़ी खाने का मतलब है कि यह शरीर को मौसम में होने वाले बदलाव के लिए तैयार करता है, चाहे वह सर्दियों की ठंडी हवा हो या वसंत की आने वाली गर्मी। जैसे-जैसे तापमान शुष्क ठंड से आश्चर्यजनक रूप से गर्म होता जाता है, शरीर असंतुलन के प्रति संवेदनशील हो जाता है। इस प्रकार, खिचड़ी शरीर को आवश्यक पोषण प्रदान करते हुए भूख को संतुष्ट करने के लिए एक आदर्श व्यंजन है। स्वास्थ्य के लिए इसके लाभों के अलावा, इस त्यौहार पर खिचड़ी पकाना और खाना एकता का प्रतीक है, क्योंकि लोग एक ही बर्तन में ताजे कटे हुए चावल, दालें, मौसमी सब्जियाँ और मसाले सहित सभी सामग्रियों को मिलाकर इस व्यंजन को पकाते हैं। यह जीवन और उत्थान की प्रक्रिया का प्रतीक है, जो नए फसल वर्ष की शुरूआत का संकेत देता है। आयुर्वेद इस दिव्य दिन पर तिल और गुड़ खाने का भी सुझाव देता है। संक्रांति और तिल समानार्थी हैं क्योंकि इस त्यौहार को आमतौर पर 'तिल संक्रांति' के रूप में भी जाना जाता है। तिल नकारात्मकता को अवशोषित कर सकते हैं और 'सत्व' -शुद्धता, अच्छाई और सद्भाव को बढ़ा सकते हैं, जो बदले में आध्यात्मिक अभ्यास को सुविधाजनक बनाता है।

हिंदू महाकाव्य महाभारत में मकर संक्रांति से जुड़े माघ मेले का उल्लेख है। हर बारह वर्ष बाद मकर संक्रांति पर कुंभ मेला आयोजित होता है, जो विश्व के सबसे बड़े सामूहिक तीर्थस्थलों में से एक है, जिसमें लाखों लोग आते हैं। संक्रांति को एक ऐसे देवता के रूप में पूजा जाता है, जिन्होंने, किंवदंतियों के अनुसार, राक्षस शंकरसुर को पराजित किया था। यह सूर्य के मकर राशि में प्रवेश को दशार्ता है, जो शीतकालीन संक्रांति के अंत और लंबे दिनों की शुरूआत को दशार्ता है। सूर्य देवता को समर्पित मकर संक्रांति पूरे भारत में मनाया जाने वाला सांस्कृतिक, धार्मिक और कृषि सम्बंधी अत्यधिक महत्त्व का त्यौहार है। भारत और पड़ोसी देशों में विभिन्न नामों से मनाया जाता है, जिनमें पोंगल, माघ बिहू, उत्तरायण आदि शामिल हैं। प्रत्येक क्षेत्र में त्यौहार से जुड़ी अपनी अनूठी रीति-रिवाज और अनुष्ठान होते हैं।

ताकि बची रहे सांस्कृतिक बहुलता

बीसवीं सदी के भाषा दार्शनिकों में लुडविग विट्गेंशटाइन का नाम गंभीरता से लिया जाता है। लुडविग ने भाषा को लेकर अनोखी बात कही है, ह्यमेरी भाषा की सीमा का अर्थ है, मेरी दुनिया की चौहद्दीह्ल इसका साफ मतलब यह है कि हर व्यक्ति की अपनी भाषा दरअसल उसकी दुनिया होती है। ऐसी दुनिया, जिसमें सिर्फ भूगोल ही शामिल नहीं है, इतिहास भी है और संस्कृति भी, जिसमें परंपरा भी शामिल है और सदियों का अपना एक्सक्लूसिव ज्ञान भी। जिस तरह नदियां अपने उद्गम और अपने प्रवाह वाले इलाकों की पूरी संस्कृति और पर्यावरण के अथाह गुणों को खुद में समोए रहती हैं, भाषाएं भी नदी की भांति ही अपनी परंपरा, अपनी सोच, अपने दर्शन, अपने भूगोल और अपने इतिहास के साथ ही समूची संस्कृति को लेकर प्रवाहित होती रही हैं। यहां सवाल उठ सकता है कि भाषाओं को लेकर ऐसी बातों का संदर्भ क्या है? दरअसल संयुक्त राष्ट्र संघ के संगठन यूनेस्को ने भाषाओं को लेकर जो ताजा रिपोर्ट जारी की है, उसमें कहा गया है कि हर दो हफ्ते बाद दुनिया की एक भाषा मर रही है। यूनेस्को के अनुसार, पहले जहां हर तीन महीने के अंतराल पर एक भाषा की मौत की खबर आती थी, वहीं साल 2019 के बाद इस गति में तेजी आई है। यूनेस्को के मुताबिक, इस दर से हर साल दुनिया से करीब नौ भाषाओं का अस्तित्व खत्म होते जा रहा है। साफ है कि अगर एक भाषा मर रही है तो दरअसल उस भाषा की अपनी विशिष्ट संस्कृति, उसकी अपनी सोच और उसका अपना परिवेशबोध मर रहा है। इन अर्थों में देखें तो भाषाओं का इस तरह मरते जाना दरअसल संस्कृतियों के बहुलवादी स्वरूप का संकुचित होते जाना है।

यूनेस्को के अनुसार साल एक हजार ईस्वी तक दुनियाभर में नौ हजार से कुछ ज्यादा भाषाएं अस्तित्व में थीं। जिनकी संख्या घटते-घटते आज सात हजार के आसपास सिमट गई है। यूनेस्को को आशंका है कि भाषाओं के मरने की यही दर बनी रही तो 21वीं सदी के अंत तक दुनियाभर की करीब तीन हजार भाषाओं का अस्तित्व खत्म हो चुका होगा। भाषाओं के जानकारों के अनुसार, यूनेस्को का यह आकलन उम्मीदों से भरा है। जबकि पश्चिम के कई भाषा और मानवशास्त्री मानते हैं कि अगर भाषाओं के मरने की गति ऐसी ही रही तो साल 2200 ईस्वी तक दुनियाभर में महज 100 भाषाएं ही जीवित रह पाएंगी। भाषाओं के लुप्त होने को लेकर भारत में एक अवधारणा यह है कि जो भाषा क्लिष्ट या कठिन होती जाती है, वह लोकव्यवहार में खत्म होते जाती है। संस्कृत भाषा के बारे में नहीं कह सकते कि वह खत्म हो चुकी है, लेकिन उसका चलन घट गया है। एक खास धारा की वैचारिकी और भाषा दार्शनिक संस्कृत के चलन से बाहर होने के लिए उसके गंभीर होते जाने का उदाहरण देते हुए भाषाओं के लुप्त होने का सिद्धांत गढ़ते रहे हैं। लेकिन क्या सचमुच भाषाएं सिर्फ इसी वजह से खत्म हो रही हैं कि वे क्लिष्ट या कठिन होती जा रही हैं? आधुनिक संदर्भों में देखें तो यह तर्क सही नहीं लगता। अंग्रेजी को ही लीजिए। कठिन अंग्रेजी बोलना शान का प्रतीक माना जाता है। इस लिहाज से तो उसे भी चलन से दूर होना चाहिए था। लेकिन उलटे वह बढ़ रही है।

आधुनिक विश्व में सबसे बेहतरीन व्यवस्था लोकतंत्र को माना जा रहा है। लेकिन यह लोकतंत्र सिर्फ राजनीतिक संदर्भों तक ही सिमटता जा रहा है। विश्व ग्राम में बदली दुनिया में हर देश में एकरूपता बढ़ती जा रही है। संस्कृतियां और उनकी अपनी विशिष्ट परंपराएं रोजाना के व्यवहार का विषय नहीं रहीं। उदारीकरण और वैश्वीकरण की वजह से पूरी दुनिया तकरीबन एक तरह से खानपान, एक तरह के पहनावे और एक तरह की भाषा की ओर आकर्षित होती जा रही है। पश्चिमी सभ्यता और उसका सलीका ही मानक बनते जा रहे हैं। इस लिहाज दुनियाभर की बोलियों में भी एकरूपता कभी सायासिक, तो कभी अनायास ही होती जा रही है। इस पूरी प्रक्रिया में छोटे समुदायों की भाषाएं लगातार किनारे होते जा रही हैं। चूंकि रोजी और रोजगार के लिए छोटे समुदायों की भाषाएं सहयोगी नहीं रह पाई हैं तो उनका चलन रोजाना की जिंदगी से कम होता जा रहा है और भाषाएं मर रही हैं। इसमें हर देश की अपनी केंद्रीय भाषा जहां केंद्रीय भूमिका में हैं, वहीं उसके देसज रूप लगातार या तो कमजोर हुए हैं या फिर लुप्त हो रहे हैं। कथित आधुनिक सोच इस प्रवृत्ति को और बढ़ावा दे रही है। भारत में अंग्रेजी इस आधुनिकता की वाहक है। इसी तरह कुछ प्रमुख भाषाएं अपने-अपने क्षेत्रों में आधुनिकता का केंद्रीय तत्व बन चुकी हैं। इस पूरी प्रक्रिया में बहुत ऐसी भाषाएं हैं, जो इतने कम लोगों द्वारा बोली जाती हैं कि निकट भविष्य में उनका अस्तित्व ही नहीं रहेगा। यूनेस्को की रिपोर्ट ह्यएटलस-लुप्तप्राय भाषाएंह्ल के अनुसार भारत में तीन ऐसी भाषाएं हैं, जिनके अस्तित्व पर संकट आ खड़ा हुआ है। इसमें पहले नंबर पर कर्नाटक की कोरगा है, जिसे बोलने वालों की संख्या महज सोलह हजार ही है। इसी तरह हिमाचल प्रदेश की सिरमौरी भाषा है, जिसे महज 31 हजार लोग ही बोलते हैं। इस सूची में तीसरे स्थान पर छत्तीसगढ़ की पारजी भाषा है, जिसे सिर्फ पचास हजार लोग बोल रहे हैं। जाहिर है कि इन भाषाओं के अस्तित्व पर संकट आ खड़ा हुआ है। एकीकरण के दौर में रोहिंग्या लोगों की भाषा हनीफी पर मरने के कगार पर है। यूरोप में ऐसे ही अस्तित्व के संकट से आयरिश, सिसिली और यिडिश भाषाएं भी जूझ रही हैं। हमें याद रखना चाहिए कि भाषाओं की गहन विविधता सांस्कृतिक विविधता को ना सिर्फ सुनिश्चित करती है, बल्कि अपने क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान को आकार देती है। अगर आज के दौर में किसी भाषा को पीछे धकेला जा रहा है या किनारे किया जा रहा है तो इसका मतलब यह भी है कि इसके जरिए एक तरह से उस भाषा विशेष के इलाके की संस्कृति का हिस्सा भी गायब हो रहा है। हर संस्कृति में सबकुछ लिखने की क्षमता नहीं होती, उसके कई तत्व श्रुति, स्मृति और चलन के सहारे जिंदा रहते हैं। भाषा के मरने के बाद संस्कृति का यह अलिखा हमेशा-हमेशा के लिए खत्म हो जाता है। इसलिए जरूरी है कि हम अपनी भाषाओं को जिंदा रखें। भाषाओं को जिंदा रखने के लिए स्थानीय स्तर पर कोशिशें भी हो रही हैं। चीन ने अपनी पुरानी मंदारिन को संरक्षित करने के लिए अभियान चला रखा है। नाइजीरिया अपनी भाषाओं को वाचिक रूप में बचाए रखने के लिए रिकॉर्ड करने का सहारा ले रहा है। भारत में भी कई लोग अपनी बोलियों के लिए ऐसी कोशिशें कर रहे हैं। मरती हुई भाषाओं के लिए व्यक्तिगत की बजाय सामूहिक कोशिशें होनी चाहिए। भाषाएं क्यों जरूरी हैं, इसे हमें अमेरिकी नारी वादी रीटा मे ब्राउन के शब्दों में समझ सकते हैं। रीटा कहती हैं, ह्लभाषा किसी भी संस्कृति का रोडमैप होती है। वह आपको बताती है कि इसे बोलने वाले लोग कहां से आते हैं और कहां जा रहे हैं।

-उमेश चतुर्वेदी

दिल्ली में गलत ट्रैक पर जा रही है कांग्रेस, फिर से फंस गए हैं राहुल गांधी

देश की राजनीति के मैदान में राहुल गांधी को लगातार गलतियां करने वाले नेता के तौर पर जाना जाता है। कई बार तो राहुल गांधी जीता हुआ चुनाव भी हार जाते हैं। आरोप तो यहां तक लगाया जाता है कि राहुल गांधी के इर्द-गिर्द जो नेता रहते हैं, वे चाहते ही नहीं है कि राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस चुनाव जीते। इसलिए कांग्रेस के नेता लगातार राहुल गांधी को अजब-गजब फैसले लेने के लिए उत्साहित और प्रेरित करते रहते हैं। राहुल गांधी कई बार चुनावी मैदान में सेल्फ गोल करते दिखाई देते हैं तो कई बार गलत ट्रैक पर जाकर रास्ता ही भटक जाते हैं। दिल्ली विधानसभा जैसे महत्वपूर्ण चुनाव में भी एक बार फिर से राहुल गांधी गलत ट्रैक पर जाते हुए दिखाई दे रहे हैं।

यह बात बिल्कुल सौ फीसदी सही है कि कांग्रेस के वोट बैंक को छीनकर ही आम आदमी पार्टी दिल्ली में अपराजेय पार्टी के तौर पर स्थापित हुई है लेकिन उतना ही बड़ा सच यह भी है कि कांग्रेस पार्टी अपना वह पुराना वोट बैंक आप से पूरी तरह से छीनने की स्थिति में नहीं है। ऐसे में बेहतर तो यह होता कि कांग्रेस अपने पुराने वोट बैंक को पाने के लिए फेज वाइज रणनीति बनाकर, उसे अमल में लाती लेकिन इसकी बजाय कांग्रेस रणनीतिक तौर पर एक बहुत बड़ी गलती करते हुए दिखाई दे रही है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दिल्ली विधानसभा चुनाव में अपनी खोई जमीन पाने के लिए कांग्रेस टडर फॉमूर्ला अपनाने जा रही है। यानी कांग्रेस दिल्ली में अल्पसंख्यक अर्थात मुस्लिम बहुल सीटों के साथ ही उन विधानसभा सीटों पर फोकस करेगी ,जहां-जहां ओबीसी और दलित मतदाताओं की संख्या ज्यादा है। हकीकत में कांग्रेस यहीं सबसे बड़ी गलती करने जा रही है। राहुल गांधी के करीबियों ने उन्हें यह सलाह देकर,एक बार फिर से उनके नेतृत्व में पूरी कांग्रेस पार्टी को गलत ट्रैक पर डाल दिया है। मंडल-कमंडल की राजनीति के दौर के बाद ओबीसी यानी अन्य पिछड़े वर्ग के मतदाता पूरी तरह से कांग्रेस से विमुख हो चुके हैं और इनकी वापसी की संभावना फिलहाल दूर-दूर तक नजर नहीं आ रही है। ऐसे में कांग्रेस के इस फॉमूर्ले का असफल होना तय माना जा रहा है। दरअसल, राहुल गांधी को कांग्रेस को फिर से मजबूत करने के लिए टडर की बजाय इऊट के फॉमूर्ले को अपनाना चाहिए जिसके बल पर जवाहर लाल नेहरू और इंदिरा गांधी से लेकर राजीव गांधी और मनमोहन सिंह तक देश पर राज कर चुके हैं। BDM फॉमूर्ले का मतलब है - ब्राह्मण, दलित और मुस्लिम समुदाय। इसी समीकरण के बल पर कांग्रेस ने लंबे समय तक देश पर राज किया है। लोकसभा चुनाव के समय से ही मुस्लिम मतदाताओं के बड़े वर्ग ने कांग्रेस की तरफ लौटना शुरू कर दिया है। दिल्ली में भी इस बार के विधानसभा चुनाव में मुस्लिम मतदाताओं का वोट बड़े पैमाने पर कांग्रेस को मिलने की संभावना है और अगर कांग्रेस भाजपा को हराती हुई नजर आई तो पूरा मुस्लिम समाज कांग्रेस उम्मीदवारों को वोट देते हुए नजर आएगा।

कल्याण परिमंडल-3 में नशेड़ियों के खिलाफ कार्रवाई जारी

कल्याण। कल्याण में नशेड़ियों के खिलाफ पुलिस का एक्शन लगातार जारी है। शहर में खुलेआम नशा करने और भाईगिरी करने वाले लोगों की पुलिस बारात निकाल रही है। कल्याण परिमंडल-3 के अंतर्गत विभिन्न पुलिस स्टेशन क्षेत्रों में खुले मैदान, निर्जन स्थानों और सड़कों पर मौजूद संस्थानों पर पुलिस द्वारा सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में रविवार रात को पुलिस प्रशासन ने समय का उल्लंघन करने वाले दुकानदार, नशेड़ी और नियमों का उल्लंघन करने वाले दो पहिया वाहनचालकों पर कार्रवाई की। कल्याण के डीसीपी अतुल झेंडे ने बताया कि निर्धारित समय के बाद चालू रहने वाली 30 संस्थानों पर कार्रवाई की गई। साथ ही खुले में और निर्जन स्थानों पर नशा करने के मामले में 54 कार्रवाई की गई है। इसके अलावा सड़कों पर तेज गति से मोटरसाइकिल चलाने और ट्रिपल सीट वाहन चलाने पर 148 कार्रवाई की गई। इस प्रकार कुल 232 कार्रवाई कल्याण परिमंडल-3 में पुलिस द्वारा की गई है। डीसीपी झेंडे ने बताया कि पुलिस का यह सख्त अभियान आगे भी जारी रहेगा।

क्लियर प्रीमियम वॉटर ने ऋतिक रोशन का 50वां जन्मदिन अनोखे अंदाज में मनाया

मुंबई। अपने करिश्मा, प्रतिभा और समर्पण से बॉलीवुड को एक नई परिभाषा देने वाले बॉलीवुड स्टार ऋतिक रोशन का 50वां जन्मदिन क्लियर प्रीमियम वॉटर ने अनोखे अंदाज में मनाया। उनका 50वां जन्मदिन, 25 साल की अद्भुत सिनेमाई यात्रा और कंपनी के ब्रांड एंबेसडर के रूप में दो साल कई यादगार कार्यक्रमों के साथ मनाए गए। समारोह में ऋतिक रोशन की यात्रा और उनकी स्थायी विरासत का सम्मान किया गया। एक मंत्रमुग्ध कर देने वाली सैंड आर्ट स्थापना ने ऋतिक रोशन के बॉलीवुड डेब्यू और उनके फिल्मी करियर के लिए एक आकर्षक रूप में उनकी यात्रा को चिह्नित किया। फिल्म ₹कहोना..प्यार है₹ से उनकी प्रतिष्ठित शुरूआत से लेकर विभिन्न शैलियों में उनकी प्रभावशाली भूमिकाओं तक, इस उत्कृष्ट कृति ने उनके करियर के प्रमुख मील के पत्थर को चिह्नित किया। इस कलात्मक प्रयास ने सुपरस्टार के प्रभाव को प्रदर्शित किया। जिसने न केवल सिल्वर स्क्रीन पर बल्कि दुनिया भर के लाखों प्रशंसकों के दिलों में भी एक अविस्मरणीय अमिट छाप छोड़ी। पर्यावरण संरक्षण में निहित एक ब्रांड के रूप में, क्लियर के उत्सव में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान भी शामिल था। क्लियर प्रीमियम वाटर और थागम फाउंडेशन के स्वयंसेवकों और टीम के सदस्यों ने 1,000 से अधिक पेड़ लगाए। जो वास्तव में भविष्य की पीढ़ियों के लिए पृथ्वी को समृद्ध बनाने की दिशा में एक कदम का प्रतिनिधित्व करता है। यह पहल पर्यावरण संरक्षण के प्रति समर्पण को बढ़ावा देने के क्लियर के प्रयासों के अनुरूप है। क्लियर प्रीमियम वॉटर के सीईओ और संस्थापक, नयन शाह ने कहा, हमें बॉलीवुड सुपरस्टार और लीजेंड ऋतिक रोशन को उनके 50वें जन्मदिन और बॉलीवुड में 25 साल पूरे होने पर सम्मानित करते हुए खुशी हो रही है। उनकी यात्रा समर्पण, जुनून और उत्कृष्टता का उदाहरण है, जो दुनिया भर के लाखों लोगों को प्रेरित करती है। क्लियर प्रीमियम वॉटर में हमें इस मील के पत्थर का जश्न मनाने और उनके बेहतर भविष्य के लिए अपनी साझा प्रतिबद्धता व्यक्त करने पर गर्व है। क्लियर प्रीमियम वॉटर के ब्रांड एंबेसडर ऋतिक रोशन ने फिटनेस, परोपकार और सामाजिक परिवर्तन के प्रति अपने समर्पण से लाखों लोगों को प्रेरित किया है। क्लियर के ब्रांड एंबेसडर के रूप में उनकी दो साल की यात्रा असाधारण रही है। उनका समर्पण ब्रांड की शुद्धता, गुणवत्ता और पर्यावरणीय प्रबंधन के वादे को दशार्ता है। उन्होंने मिलकर अनगिनत व्यक्तियों को बेहतर भविष्य के लिए स्पष्ट विकल्प चुनने के लिए प्रेरित किया है। यह 50 वर्षों की प्रतिभा, 25 वर्षों की सिनेमाई उत्कृष्टता और क्लियर के साथ दो वर्षों की सार्थक यात्रा का उत्सव है।

कैलिफोर्निया बादाम के साथ सेहतमंद स्वाद में घुल-मिलकर मनाएं फसलों के त्योहार का जश्न

मुंबई/पटना। भारत में फसलों की कटाई का सीजन बड़े उत्साह और खुशी के साथ मनाया जाता है। इसे देश के अलग-अलग हिस्सों में विभिन्न नामों से जाना जाता है, जैसे बंगाल में मकर संक्रांति, दक्षिण में पोंगल, और अन्य जगहों पर लोहड़ी, बिहू या बैसाखी। भले ही इन त्योहारों की परंपराएं और नाम अलग हों, लेकिन हर जगह स्वादिष्ट मिठाइयों और व्यंजनों का आनंद लेना सभी को एक साथ जोड़ता है। लोग मिलकर इस मौसम की खुशियां मनाते हैं। इस बार, 2025 के त्योहार को और खास और सेहतमंद बनाने के लिए कैलिफोर्निया आमंड्स का उपयोग करें। कैलिफोर्निया के बादाम, जिन्हें ड्राय फ्रूट्स का राजा कहा जाता है, पोषण से भरपूर होते हैं। इनमें 15 महत्वपूर्ण पोषक तत्व जैसे प्रोटीन, हेल्दी फैट्स, फाइबर, विटामिन और मिनरल्स पाए जाते हैं, जो सेहत के लिए बेहद फायदेमंद हैं। कटाई के सीजन का जश्न अपनों के साथ मनाना सभी को खुशी देता है, लेकिन इस दौरान खाने-पीने में सतर्क रहना भी जरूरी है। खासतौर पर भारत में डायबिटीज, हाई कोलेस्ट्रॉल और मोटापा जैसी बीमारियों के बढ़ते मामलों को देखते हुए यह और भी अहम हो जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, हर साल भारत में छह मिलियन लोग इन समस्याओं का शिकार होते हैं, और 2030 तक इन बीमारियों की वजह से देश पर 6 ट्रिलियन डॉलर का बोझ पड़ सकता है। त्योहारों पर स्वादिष्ट खाने का मजा लेते हुए भी सेहतमंद रहना आसान है। इसके लिए बस अपने आहार में पोषण से भरपूर चीजें, जैसे बादाम, शामिल करें। बादाम काबोर्हाइड्रेट वाले खाद्य पदार्थों के साथ खाने पर ब्लड शुगर के स्तर को नियंत्रित करने में मदद कर सकते हैं। यह फास्टिंग इंसुलिन लेवल को सही बनाए रखते हैं और कुल मिलाकर सेहत को बेहतर बनाए रखने में सहायक होते हैं।

एंजेल वन ने निवेशकों को धोखाधड़ी वाले सोशल मीडिया समूहों और अनधिकृत निवेश योजनाओं के बारे में सचेत किया

मुंबई/पटना। फिनटेक क्षेत्र की अग्रणी कंपनी एंजल वन लिमिटेड ने निवेशकों को एंजल वन के नाम का दुरुपयोग करने वाले और इसके वरिष्ठ अधिकारियों का रूप धारण कर धोखाधड़ी करने वाले सोशल मीडिया समूहों के बढ़ते प्रचलन के बारे में चेतावनी दी है। कंपनी ने पाया है कि सोशल मैसेजिंग प्लेटफॉर्म पर एंजल वन से जुड़े होने का झूठा दावा करते हुए कई अनधिकृत समूह बनाए जा रहे हैं।

एंजल वन ने पाया है कि ये धोखाधड़ी करने वाले समूह अवैध गतिविधियों में शामिल हैं, जिसमें आवश्यक सेबी पंजीकरण/अनुमति के बिना प्रतिभूतियों से संबंधित सलाह या सिफारिशें प्रदान करना, साथ ही सेबी की मंजूरी के बिना प्रतिभूतियों से संबंधित रिटर्न और प्रदर्शन के बारे में अनधिकृत दावे करना शामिल है। व्हाट्सएप और टेलीग्राम समूह एंजल वन लिमिटेड के ब्रांड नाम और लोगो के साथ-साथ वरिष्ठ अधिकारियों के नाम और छवियों का अवैध और भ्रामक तरीके से दुरुपयोग कर रहे हैं, जिससे आम जनता को यह विश्वास हो रहा है कि वे एंजल वन लिमिटेड से जुड़े हुए हैं। हम इस बात पर जोर देना चाहते हैं कि प्रतिभूति बाजार में अनधिकृत निवेश सलाह देना या रिटर्न की गारंटी देना सख्त वर्जित है और निवेशकों से आग्रह करते हैं कि वे उचित परिश्रम करें और हमारे संगठन से होने का दावा करने वाले किसी भी संचार की प्रामाणिकता को सत्यापित करें।

महाराष्ट्र स्पोर्ट्स एजुकेशन एकेडमी- तारापुर द्वारा आयोजित बोईसर कला-क्रीड़ा महोत्सव हर्षोल्लास पूर्वक संपन्न

कला क्रीड़ा महोत्सव में अनेकों प्रतियोगियों ने अपनी प्रतिभा का किया प्रदर्शन

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। महाराष्ट्र स्पोर्ट्स एज्युकेशन अकादमी, तारापुर द्वारा बोईसर कला-क्रीडा महोत्सव वर्ष-19 का आयोजन, सह-आयोजक डॉन बॉस्को स्कूल बोईसर एवं बोईसर एजुकेशन सोसायटी के सभी सदस्यों द्वारा पालघर जिले के बोईसर शहर अंतर्गत स्थित खोदराम बाग मैदान में किया गया। इसमें 48 कला खेल,157 प्रकार की प्रतियोगिताओं में 169 विद्यालयों ने भाग लिया जिसमें 18805 विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभाओ का प्रदर्शन किया। बतादें कि कला क्रीड़ा महोत्सव में विभिन्न प्रकार की खेल कलाओं और पारंपरिक तथा आधुनिक कलाएँ प्रस्तुत की जाती हैं। ये प्रतियोगितायें सामूहिक भागीदारी, संस्कृति और परंपरा को बढ़ावा , खेलों के बारे में जागरूकता, उभरती प्रतिभाओं के लिए अवसर, कला और खेल उत्सव सामुदायिक एकता और उत्साह का संदेश देते हैं। ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से अकादमी प्रत्येक वर्ष ऐसे महोत्सव का आयोजन करती है, जिसकी वजह से ग्रामीण छात्रों को अपना आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए कला और खेल में अवसर मिलते है। इस महोत्सव में तहसील पालघर, दहानू, वाडा, तलासरी और जव्हार के दूरदराज के इलाकों से प्री-प्राइमरी, प्राइमरी, सेकेंडरी, जूनियर कॉलेज, सीनियर कॉलेज के छात्रों ने भाग लिया। इस अवसर पर मार्चपास्ट संचलन, लेज़िम प्रतियोगिता, मल्लखंभ, पिरामिड, वॉलीबॉल, कबड्डी, भाषण, लोक नृत्य, लंगड़ी, खो-खो, लिखावट, पेंटिंग, रंग, थ्रो बॉल, थीम नृत्य, व्यक्तिगत क्षेत्र प्रतियोगिता, मेहंदी प्रतियोगिता, कहानी सुनाना, पारंपरिक नृत्य, कराटे, शतरंज, कैरम, बॉक्स क्रिकेट, पोशाक प्रतियोगिता, कलाकारों की टुकड़ी अभिनय, समूह नृत्य प्रतियोगिता आदि का आयोजन किया गया। महाराष्ट्र स्पोर्ट्स एज्यूकेशन अकादमी द्वारा सेवाव्रतियों को और खेल के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वालो को विशेष पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।

इसमें प्राथमिक उपचार एवं त्वरित सेवा के लिए डॉ. जान्हवी संजय पाटील, डेलिशिया डिमेलो, मानसी सुधाकर ठाकुर, आशिका शाम संखे, एमएसईएटी- मित्र पुरस्कार नापेश संखे, सुशील बालापुरकर, अंजना रॉय, जयसिंह धोडी, वेद प्रकाश यादव, एमएसईएटी- रत्न पुरस्कार श्री, विनायक राऊत, एमएसईएटी- कला श्री, पुरस्कार - संजय सालुंखे, एमएसईएटी- क्रीड़ा श्री पुरस्कार - आशीष नरोत्तम पाटील को गणमान्य व्यक्तियों द्वारा प्रदान किया गया। महोत्सव के सफल आयोजन में क्षेत्र के कई विद्यालयों के शिक्षकों की भागीदारी उल्लेखनीय रही। सुधाकर ठाकुर, नरेंद्र घरत, कमलाकर पाटील, आशीष पाटील, विनय मकासरे, पूर्णिमा कुम्भार, सत्येन्द्र यादव, जाबीर खान, जीतेन्द्र पाटील, शैलेन्द्र घरत, मिथुन तुंबडा, कोमल पागधरे, रोहित बारी, सागर मोरे, राखी मंडल, आनंद मेहेकर, तनुजा कुरेवार , सचिन भालेकर, धनश्री कांबले, धनेश संखे, दीपक भावे, सचिन गांधी, जिला खेल अधिकारी सुहास वनवाने, जीतेंद्र अग्रवाल, राजेंद्र पाटील, विनायक राऊत, अतुल देसाई, मिलिंद वडे, शाम संखे, महेंद्र भोणे, दशरथ सुतार, नितिन ठाकुर, समीर पिंपले, अशोक बाबर, रोहित पाटील, सचिन पिंपले, कोषाध्यक्ष गजानन देशमुख, सह सचिव राम पाटील , नीता संखे, समिधा ठाकुर, अकादमी के सचिव प्रो. संजय घरत, उपाध्यक्ष ब्रैंडन अल्मेडा, हेमंत मुंजे, प्रज्ञा राऊत कार्याध्यक्ष अध्यक्ष डेरेल डिमेलो व अध्यक्ष संजय जे. पाटील प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

कोडीन युक्त कफ सिरप के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

भिवंडी। भिवंडी में प्रतिबंधित कोडीन युक्त कफ सिरप की बोतलें बेचने वाले दो आरोपियों को ठाणे एंटी नारकोटिक्स सेल ने ७७ हजार रुपये कीमत की ४६७ बोतलें बरामद की हैं । पुलिस व्दारा.मिली.सूचना के आधार पर ठाणे की अपराध शाखा की एंटी नारकोटिक्स टीम को जानकारी मिली थी कि दो व्यक्ति प्रतिबंधित कोडीन युक्त कफ सिरप की बोतलें बेचने के लिए भिवंडी ला रहे हैं। इस सूचना के बाद, पुलिस ने कल्याण-भिवंडी रोड पर गोवेनाका के पास एक जाल बिछाया। रात लगभग ८,३० बजे के आस-पास संदिग्ध व्यक्ति बंजार पट्टी नाका के रहने वाला ४५ वर्षिय नौशाद अन्सार अहमद शेख और नां गांव का रहने वाला २४ वर्षिय तौकीर फारूख अन्सारी को पुलिस ने जाल बिछाकर हिरासत में लेकर दोनों आरोपियों की तलाशी ली। तलाशी के दौरान उनके पास से अल्ट्रोक्स सीडी, ट्रायप्रोलिडाइन, कोडीमोस्टार, क्लोरफेनिरामाइन जैसे कोडीन युक्त दवाइयों की ४६७ बोतलें मिलीं, जिनकी कीमत करीब ७७ हजार रुपये बताई जा रही है। आरोपियों के खिलाफ एन.डी.पी.एस. एक्ट एन,डी,पी,ए ऐक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत कोनगाव पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस नें दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। और वे न्यायिक हिरासत में हैं। पुलिस अब इस मामले की और जांच कर रही है। ठाणे शहर पुलिस के हवालदार प्रशांत राणे की शिकायत पर कोनगाव पुलिस स्टेशन में आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि इस तरह के प्रतिबंधित दवाओं की बिक्री और वितरण पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बदलापुर स्कूल यौन हमला प्रकरण की पीड़िताएं बहुत कम उम्र की है, सुनवाई तेजी से हो : हाईकोर्ट

मुंबई। बंबई उच्च न्यायालय ने कहा कि पिछले वर्ष के बदलापुर स्कूल यौन उत्पीड़न मामले की सुनवाई तेजी से होनी चाहिए, क्योंकि पीड़ित लड़कियां बहुत छोटी हैं। पिछले वर्ष अगस्त में महाराष्ट्र में ठाणे जिले के बदलापुर में एक स्कूल के शौचालय में एक परिचारक ने चार और पांच वर्ष की दो लड़कियों पर कथित रूप से यौन हमला किया था। उसे गिरफ्तार कर किया गया और बाद में जब उसे पूछताछ के लिए जेल से ले जाया जा रहा था तब पुलिस के साथ गोलीबारी में उसकी मौत हो गई थी। महाराष्ट्र सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) ने इस मामले की जांच की और आरोपपत्र दाखिल किया।

बाल यौन अपराध संरक्षण अधिनियम (पोक्सो) के प्रावधानों के तहत यौन हमले की रिपोर्ट करने में विफल रहने को लेकर परिचारक, स्कूल के प्रधानाध्यापक और उसके प्रबंधन के दो सदस्यों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया गया था। उच्च न्यायालय ने इस घटना का स्वतः संज्ञान तब लिया जब यह सामने आया कि स्थानीय बदलापुर पुलिस ने मामले में प्राथमिकी दर्ज करने के लिए त्वरित कार्रवाई नहीं की।

सरकारी वकील हितेन वेंगांवकर ने न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और न्यायमूर्ति नीला गोखले की पीठ को बताया कि मामले की जांच पूरी हो चुकी है, आरोपपत्र दाखिल किया जा चुका है और अब मुकदमा चलेगा। उच्च न्यायालय ने कहा, इस मामले को तेजी से निपटाया जाना चाहिए क्योंकि पीड़ित लड़कियां बहुत छोटी उम्र की हैं।

पीठ ने कहा कि जैसा कि पोक्सो कानून अधिनियम में व्यवस्था दी गयी है, उसके हिसाब से लड़कियों के परीक्षण के समय एक महिला वकील को उपस्थित रहना होगा।

वेंगांवकर ने कहा कि मामले में विशेष सरकारी वकील की सहायता के लिए एक महिला अभियोजक नियुक्त की गई है। पीठ ने मामले की अगली सुनवाई 20 जनवरी को तय की है। तब अभियोजन पक्ष को मुकदमे के चरण के बारे में बताना होगा।

'गजल के लोग' और 'गजल गाथन' पुस्तक का विमोचन संपन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)। एक ओर जहां मराठी को अभिजात भाषा का दर्जा दिया गया है, वहीं दूसरी ओर वर्ष 2025 की शुरूआत में मालवणी मिट्टी, मालवणी बोली और मराठी संस्कृति के लिए काम करने का बीड़ा उठाने वाली संस्था सिंधुदुर्ग प्रतिष्ठान (पंजीकृत) मुंबई को भी इसमें शामिल किया गया है। मालवणी लोगों ने मालवणी बोली को संरक्षित और बढ़ावा देने की अपनी पहल के तहत मालवणी लेखकों की दो नई पुस्तकें प्रकाशित की हैं।

आज कांदिवली के ठाकुर विलेज स्थित वैली ऑफ फ्लॉवर्स क्लब में एक भव्य समारोह में इसका विमोचन किया गया। प्रकाश सरवणकर की 'पीपल इन गजल' और पूर्णिमा गावड़े मोराजकर की 'गजल गाथन' नामक दो पुस्तकें प्रकाशित हुईं, जिन्हें उत्साही पाठकों से भारी प्रतिक्रिया मिली। विमोचन समारोह में प्रसिद्ध लेखक प्रभाकर भोगले और मुंबई के इतिहास के विद्वान नितिन सालुंके, जो बहुचर्चित पुस्तक 'अग्नत मुंबई' के लेखक हैं, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। समारोह में विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। सम्पूर्ण समारोह का सफल संचालन डॉ. मेघा परब द्वारा किया गया।

युवाओं को अपनी प्रतिभा के अनुसार लक्ष्य के लिए मेहनत करनी चाहिए : प्रदीप शर्मा

मुंबई (उत्तरशक्ति)। स्वामी विवेकानंद के जन्म दिन एवं राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर पीएस फाउंडेशन के युथ विंग द्वारा युवा सामर्थ्य सम्मेलन का आयोजन रविवार अंधेरी पूर्व के एम आय डीसी में किया गया। जिसमें प्रमुख अतिथि के रूप में पूर्व पुलिस अधिकारी प्रदीप शर्मा व समाज सेविका व शिंदे गुट की शिवसेना नेता स्वीकृति प्रदीप शर्मा मौजूद थीं। सैकड़ो की संख्या में उमड़े छात्र व छात्राओं को संबोधित करते हुए फाउंडेशन के अध्यक्ष प्रदीप शर्मा ने कहा कि अपने लक्ष्य व मुकाम को हासिल करने के लिये प्रत्येक छात्र को अपनी प्रतिभा के अनुसार

कामयाबी हासिल करना चाहिए। और किसी भी परिस्थिति में निराश नही होना चाहिए बल्कि संघर्ष करते हुए बुलंदी की सीढ़ियों को चूम लेना चाहिए। यही विद्यार्थी के पांचों लक्ष्णों में प्रमुख माना जाता है। जन जन के दुःख सुख में हमेशा सहभागिता का निर्वहन करने वाली स्वीकृति प्रदीप शर्मा ने विद्यार्थियों का हौसला अफजाई करते हुए कहा कि आप सब देश के भविष्य हो आप को हर संभव मदत पीएस फाउंडेशन द्वारा मिलती रहेगी। और हमारे अंधेरी विधानसभा का आप सब नाम रोशन करो। यही हमारे लिए दुनियां की सबसे बड़ी खुशी होगी। कार्यक्रम का आयोजन सौरभ उपाध्याय, रोहित मोरे,शारुख शेख,सान विराजदर व मनीष श्रीवास्तव सहयोगियों द्वारा किया गया था। जिसमें मुख्य रूप से ,सैंडी रावत,संदीप चौबे,पुष्पा त्रिपाठी, अशोक दूबे, सचिन गांवकर व सैकड़ो की संख्या में छात्र, छात्रायें व नव युवक उपस्थित थे। अंत मे शर्मा दाम्पत्य को युवाओं द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

बॉबी देओल ने किया कल्याण शोरूम का अनावरण

पनवेल (उत्तरशक्ति)। अग्रणी और सबसे भरोसेमंद आभूषण ब्रांड, कल्याण ज्वैलर्स ने आज पनवेल में अपने नए शोरूम की घोषणा की। 12 जनवरी (रविवार) शाम 6:30 बजे बॉलीवुड स्टार बॉबी देओल ने इस नए शोरूम का उद्घाटन किया। छत्रपति शिवाजी महाराज चौक, पनवेल में यह नया आउटलेट कल्याण ज्वैलर्स का महाराष्ट्र में 21वां शोरूम है। यहां बेहतरीन आभूषण संग्रह से लेकर डिजाइनों की एक विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध है।

रविवार शाम करीब 6:30 बजे बॉबी देओल पनवेल के छत्रपति शिवाजी महाराज चौक स्थित कल्याण ज्वैलर्स के शोरूम पर पहुंचे, पूरा चौक फैंस से खचाखच भरा हुआ था। बॉबी देओल ने आते ही हाथ उठाकर फैंस का शुक्रिया अदा किया और फैंस का उत्साह देखकर बॉबी ने भी उनका आभार जताया. फैन्स द्वारा पूछे गए कुछ सवालों के जवाब बॉबी देओल ने मुस्कुराते हुए दिए। बॉबी देओल ने सभी को खूब सारा आशीर्वाद और प्यार दिया। कल्याण ज्वैलर्स के बारे में उन्होंने प्रशंसकों से कहा, "कल्याण ज्वैलर्स कई सालों से

बेहतरीन काम कर रहा है। और उनके पारंपरिक आभूषण सभी लोगों को पसंद आते हैं। बॉबी देओल ने कल्याण ज्वैलर्स को भविष्य में उनकी आभूषण परंपरा को जारी रखने और नया कलेक्शन देखने के लिए शुभकामनाएं दीं। कल्याण ज्वैलर्स के कार्यकारी निदेशक, श्री रमेश कल्याणरमन ने कहा,हमने अपनी अब तक की यात्रा में उल्लेखनीय मील के पत्थर हासिल किए हैं और ग्राहक अनुभव को बढ़ाने के लिए एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण में महत्वपूर्ण प्रगति की है। कल्याण ज्वैलर्स के लिए महाराष्ट्र एक महत्वपूर्ण बाजार है और हमने पिछले कुछ वर्षों में इस क्षेत्र में रणनीतिक रूप से विस्तार किया है। हमें विश्वास है कि पनवेल में आगामी शोरूम हमारे मूल्यवान ग्राहकों को अधिक सुविधा और पहुंच प्रदान करते हुए हमारी बाजार उपस्थिति को और मजबूत करेगा। इस नए शोरूम के उद्घाटन पर, कल्याण ज्वैलर्स ने कई आकर्षक ऑफर की घोषणा की है, जिससे ग्राहकों को अपनी आभूषण खरीद पर अच्छी बचत का मौका मिलेगा। लॉन्च ऑफर के हिस्से के रूप में, ग्राहकों को सादे सोने के आभूषणों और हीरे जड़ित आभूषणों पर भारी छूट मिलने के अलावा, कल्याण स्पेशल गोल्ड बोर्ड रेट - बाजार में सबसे कम और सभी कंपनी शोरूमों में मान्य - भी लागू होगा।

इंटरनेशनल डांस चैंपियनशिप एंड फेस्टिवल में प्रांजल घरत ने अपनी प्रतिभा का मनवाया लोहा

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। अखिल नटराजम आंतर सांस्कृतिक संघ, नागपूर (मेंबर ऑफ द इंटरनॅशनल डान्स कौन्सिल सीआयडी पेरिस फ्रान्स) द्वारा आयोजित इंडो नेपाल एशियन डान्स समित - इंटरनॅशनल डान्स चॅम्पियनशिप एंड फेस्टिवल में पालघर जिले के नवली गांव की रहने वाली कु.प्रांजल पसन्न घरत ने एकल भरतनाट्यम नृत्य सीनियर कॅटेगिरी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करके अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। बतादें कि इंडो नेपाल एशियन डान्स समित - इंटरनॅशनल डान्स चॅम्पियनशिप एंड फेस्टिवल का आयोजन नेपाल देश के काठमांडू में किया गया था। जिसमें पालघर जिले के नवली गांव की रहने वाली कु.प्रांजल पसन्न घरत ने एकल भरतनाट्यम नृत्य सीनियर कॅटेगिरी प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था। प्रतियोगिता में भारत और नेपाल के विभिन्न राज्यों के कलाकारों द्वारा विभिन्न नृत्य शैलियों में एकल और समूह नृत्य प्रस्तुत किया गया था। इस आयोजन में कु.प्रांजल पसन्न घरत ने एकल भरतनाट्यम नृत्य सीनियर कॅटेगिरी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करके अपनी अंतराष्ट्रीय पहचान बनाई है। ज्ञात हो कि कु.प्रांजल पसन्न घरत संध्या रुईया कॉलेज, माटुंगा की मनोविज्ञान विषय के प्रथम वर्ष की छात्रा है। वह पिछले पांच वर्षों से इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन आर्ट्स, पालघर शाखा में गुरु तेज कजालिया के पास भरतनाट्यम का प्रशिक्षण ले रहीं हैं। इसके पहले कु.प्रांजल पसन्न घरत को तीन राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कार मिल चुकें हैं, जब कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर का यह पहला पुरस्कार है। कु.प्रांजल पसन्न घरत द्वारा नेपाल में आयोजित इंडो नेपाल एशियन डान्स समित - इंटरनॅशनल डान्स चॅम्पियनशिप एंड फेस्टिवल में एकल भरतनाट्यम नृत्य सीनियर कॅटेगिरी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर परिजनों, सगे-संबंधियों समेत अनेक शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं हैं।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, विश्व समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

जमीन विवाद को लेकर आपस में भिड़े लोगों को कोतवाली पुलिस ने किया फिट

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। कोतवाली थाना क्षेत्र के मोहल्ला अहमद खान मंडी उमरपुर जमीनी विवाद को हलवा दो पक्ष आपस में भिड़ गए। जिनको पुलिस ने ऐसा सबक सिखाया है कि फिर वह कभी जमीनी विवाद खड़ा करने में काफी सोचने और विचार करना पड़ेगा। अब तक जहां देखा गया है कि जमीनी विवाद में हुई मारपीट के मामले में पुलिस ने दोनों पक्षों का शांति भंग में चालान किया। जिसमें पकड़े गए लोग कुछ ही देर में एसडीएम की यहां से छूट जाते थे। लेकिन कोतवाल मिथिलेश कुमार मिश्रा ने तो पाशा ही पलट दिया। एक जमीन के विवाद में पढ़े लिखे लोग बड़ी संख्या में दोनों पक्षों की तरफ के जुटकर रविवार की सुबह ही अच्छा खासा हंगामा खड़ा कर दिया। हंगामे में पुलिस ने अगर सक्रियता ना दिखाई होती तो कुछ इस प्रकार हुई थी कि कुछ ना कुछ अपनी घटना घटित हो जाती। पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर को लेकर संगीन धाराओं में मामला पंजीकृत कर एक पक्ष के आठ लोग और दूसरे पक्ष से सात लोगों का चालान दीवानी न्यायालय भेज दिया है। न्यायालय ने पकड़े गए सभी आरोपियों का रिमांड बनाकर

मनोज यादव पुत्र लाल बहादुर यादव प्रज्वलित यादव दिव्यांश यादव अंकित यादव आदर्श यादव विपिन यादव प्रवीण कुमार यादव आशुतोष यादव एक पक्ष से तथा दूसरे पक्ष से डॉक्टर शोभ नाथ यादव जितेंद्र यादव शेरू यादव विकास यादव प्रदीप यादव बंटी यादव अमन यादव का रिमांड बनाकर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है। कोतवाली पुलिस की इस कार्रवाई ने 151 यानी शांति भंग में चालान होने का सपना देखने वाले जमीन पर कब्जा करने वाले तथा जमीन को लेकर विवाद खड़ा करने वालों के लिए यह एक बड़ा सबक उन्हें दिया गया है। अधिकांश यह देखा गया है कि कमजोर और असहाय की जमीन पर कब्जा करने वाले लोगों का शांति भंग में चालान होता था जिसके कारण लोगों का मनोबल बढ़ रहा था लेकिन पुलिस की इस कड़ी कार्रवाई से अवैध कब्जा धारकों में तथा जमीन को लेकर बड़ा हंगामा करने वालों के लिए यह एक अलग से संदेश कोतवाली पुलिस ने दे दिया है और यह बता दिया है कि यदि जमीन के मामले में भिड़े तो उनकी खैर नहीं है। कोतवाली पुलिस की इस कार्रवाई से भू माफिया भी सहम गए हैं।

नये वर्ष पर कुछ बेहतर करने का लें संकल्प: मधुसूदन बैंकर

लायंस क्लब रॉयल ने नववर्ष पर किया भव्य अभिनन्दन, संकल्प और उल्लास से सजी शाम

अभिताश गुप्ता

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लायंस इन्टरनेशनल की जनपद शाखा लायंस क्लब जौनपुर रॉयल द्वारा आंग्ल नववर्ष 2025 के स्वागत हेतु एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन नगर के एक मैरिज लान को में शनिवार को सायंकाल बड़े ही शानदार तरीके से किया गया। इस मौके पर बड़ी तादाद में लायंस सदस्यों ने सपरिवार उपस्थित होकर कार्यक्रम को भव्यता प्रदान किया। संस्था अध्यक्ष मधुसूदन बैंकर ने सभी को नववर्ष की शुभकामना देते हुए कहा कि आज के भाग दौड़ भरी जिंदगी में परिवार व मित्रों संग छोटी सी छोटी खुशी व आनन्द बांटने का कोई भी मौका संस्था गंवाना नहीं चाहती इस तरह के कार्यक्रम से बेहतर स्वास्थ्य और आपसी भाईचारा भी प्रगाढ़ होता है। उन्होंने कहा इस मौके पर हम सभी को देश व समाज के हित में कुछ बेहतर करने का संकल्प लेना चाहिए। कार्यक्रम का शुभारंभ क्लब अध्यक्ष मधुसूदन बैंकर संस्थापक अध्यक्ष अजय गुप्ता, क्लब की प्रथम महिला रेनू बैंकर, कार्यक्रम संयोजक अजय पूजा सोनकर, प्रदीप मिनाक्षी प्रधान, अमित अस्मिता गुप्ता व बर्थ-डे ब्वाय कृष मोदनवाल ने संयुक्त रूप से केक काट कर किया। इस मौके पर उपस्थित लायंस इन्टरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 321ई के डिप्टी गवर्नर मनीष गुप्ता ने सभी को नये वर्ष पर बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुऐ लायंस इन्टरनेशनल के सेवा उद्देश्यो को दोहराया और सभी को इस वर्ष

और भी बेहतर करने का संकल्प दिलाया। संस्थापक अध्यक्ष अजय गुप्ता प्रीति गुप्ता ने भी सभी को आंग्ल नववर्ष की बधाई एवं शुभकामनाएं दी! तत्पश्चात अनेक प्रकार के गेम्स, नृत्य, संगीत, प्रश्नोत्तरी, कपल डान्स, किड्स डांस इत्यादि के कार्यक्रम बच्चों, महिलाओं व पुरुषों के बीच करा कर पूरे माहौल को खुशनुमा व मनोरंजक बनाने में सचिव अजय सोनकर व कोषाध्यक्ष राजेश किशोर श्रीवास्तव, रसाल बरनवाल, आशीष गुप्ता लगे रहे। सभी विजेताओं को क्लब अध्यक्ष द्वारा आकर्षक गिफ्ट उपहार प्रदान कर सभी का उत्साहवर्धन किया गया। कार्यक्रम के संयोजक राकेश सुनीता साहू ने कार्यक्रम से पूर्व ही पूरी व्यवस्था को शानदार बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम का अति सुंदर संचालन अभिताष गुप्ता एवं प्रदीप प्रधान ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर अधिशासी अभियंता सन्तोष मिश्रा, संजीव विभा साहू, आशीष दीपशिखा चौरसिया, संतोष अग्रहरि, राजेश अग्रहरि, डा.विष्णु गौड़, ऋषि श्रीवास्तव, अमित गुप्ता, अभिषेक बैंकर, ईशांत गुप्ता, योगेश साहू, विनोद अग्रहरि, वैभव प्रधान, विक्रम चौरसिया, राज केशरी, अभिषेक जायसवाल,अजय मोदनवाल अजय नाथ जायसवाल, नित्यानंद गुप्ता, आनंद साहू, रवि गुप्ता,नवीन साहू, राजकुमार कश्यप, विवेक गुप्ता, गोपाल साहू, रौनक गुप्ता, रूपेश कसौधन, संदीप सेठी, यश बैंकर, विनीत गुप्ता, बृजेश विश्वकर्मा गोपाल जी, अतुल जायसवाल, शम्भूनाथ सोनी, शशि गुप्ता, विनय साहू, जितेंद्र सोनी मनोज साहू, संदीप सेठी, सोना बैंकर सहित अनेक सदस्य सपरिवार उपस्थित रहे और स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ उठाया।

जेसीआई शाहगंज संस्कार के नए अध्यक्ष विनायक ने ली पद और गोपनीयता की शपथ

उत्कृष्ट कार्य करने वाले पत्रकार भी किये गए सम्मानित

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। व्यक्तित्व विकास की अंतर्राष्ट्रीय संस्था जेसीआई की स्थानीय इकाई जेसीआई शाहगंज संस्कार का 9वां शपथ ग्रहण एवं पुरस्कार वितरण समारोह रविवार की रात नगर के आजमगढ़ रोड स्थित एक होटल में आयोजित हुआ। जिसमें नए अध्यक्ष के रूप में विनायक गुप्ता और उनकी कार्यकारिणी ने पद और गोपनीयता की शपथ ली। जेसी आस्था और दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम की शुरूआत हुई। समारोह में पूर्व अध्यक्ष जेसी मो. शाहिद नईम व जेसी सरफराज के अलावा तत्कालीन अध्यक्ष जेसी सीए बिजेंद्र अग्रहरि ने अपने कार्यकाल के दौरान बेहतर काम करने वाले सदस्य और पदाधिकारियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। तत्पश्चात तत्कालीन अध्यक्ष द्वारा नए अध्यक्ष जेसी विनायक को शपथ दिलाई। मंडल उपाध्यक्ष व कार्यक्रम की शपथ अधिकारी के रुप में जेसी सोनम चतुवेर्दी ने कार्यकारिणी में सचिव मिन्हाज एराकी, कोषाध्यक्ष रजा हुसैन, उपाध्यक्ष पद पर हसन मेंहदी, आमिश खान, डॉ. सौम्या अग्रहरि, शाहिद अंसारी, फहद खान, डॉ. नीरज सोनी, निदेशक पद पर अब्बास मेंहदी, अब्दुर्रहमान खान, अबदुल्ला सिद्दीकी, अविनाश बेनवंशी, आशीष मोदनवाल, साकिब खान व

पीआरओ पद पर राजकुमार सेठ को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। नए सदस्यों में नीतू सोनी, अखिलेश पांडेय, शिप्रा गुप्ता, धर्मेंद्र विश्वकर्मा, मुकेश यादव, जितेन्द्र यादव को अध्यक्ष ने शपथ दिलाई। समारोह को संबोधित करते हुए बतौर मुख्य अतिथि पूर्व चेयरमैन ओम प्रकाश जायसवाल ने संस्था द्वारा किए जा रहे सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षिक कार्यों की सराहना की। विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व मंडल अध्यक्ष अभिनव चौरसिया एडवोकेट के संस्था के कार्यों पर विस्तृत प्रकाश डाला। मंडल समन्वयक जेसी सेनेटर विशाल गुप्ता ने अपने संबोधन में नई कार्यकारिणी को आशीर्वचन दिए। कार्यक्रम का संचालन जेसी पंकज सिंह, हसन मेंहदी, अब्दुर्रहमान ने संयुक्त रूप से किया। अंत में निवर्तमान अध्यक्ष बिजेंद्र अग्रहरि आभार प्रकट किया। इस मौके पर पूर्व मंडल अध्यक्ष रूपेश जायसवाल, संस्थापक अध्यक्ष जेसी गुलाम साबिर, रामलीला समिति के अध्यक्ष संदीप जायसवाल, पूर्व चेयरमैन गीता जायसवाल, प्रदीप जायसवाल, मनीष अग्रहरि, रचित चौरसिया, डा.एसएल गुप्ता, अशोक कुमार सोनकर, सौरभ आर्य, सभासद शीम प्रकाश अग्रहरि, अर्पित जायसवाल समेत भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

मोहम्मद रजा बने सदभावना क्लब जौनपुर के 30वें निर्विरोध अध्यक्ष

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। सामाजिक एवं रचनात्मक संस्था सदभावना क्लब जौनपुर के नये अध्यक्ष का चुनाव सम्पन्न सद्भावना क्लब के अध्यक्ष हफीज शाह की अध्यक्षता में रविवार की शाम नगर के एक प्लाजा में 2025 के अध्यक्ष के चयन हेतु एक चुनाव प्रकिया का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम विकास अग्रहरी द्वारा ईश वंदना किया गया ! पूर्व अध्यक्ष श्रवण साहू, पूर्व अध्यक्ष नरसिंह अवतार जायसवाल, पूर्व अध्यक्ष आशीष साहू ने संस्था के उद्देश्य व उपलब्धि पर विस्तार से बताया। चुनाव अधिकारी मधुसूदन बैंकर ने चुनाव प्रक्रिया के सम्बन्ध में सदन को बताया की तय समय में सिर्फ एक नामांकन मोहम्मद रजा खान का प्राप्त हुआ जो पूरी तरह से वैद्य है। सभी पूर्व अध्यक्षों और संस्था सदस्यों की उपस्थिति में संस्था के वरिष्ठ सदस्य मोहम्मद रजा खान को 2025 के लिये सर्वसम्मति से निर्विरोध अध्यक्ष घोषित किया गया। तत्पश्चात अध्यक्ष हफीज शाह व अन्य सभी ने नवचयनित अध्यक्ष को माल्यार्पण कर स्वागत

किया इसके पश्चात नवचयनित अध्यक्ष ने अपने 2025 की सम्पूर्ण कार्ययोजना सभी के समक्ष प्रस्तुत किया और यह विश्वास दिलाया कि आने वाला 2025 कार्यकाल एक स्वर्णिम काल की तरह जाना जायेगा, नवचयनित अध्यक्ष ने सदन की सहमति से विनीत गुप्ता को सचिव व विवेकानंद मौर्या को कोषाध्यक्ष हर्ष माहेश्वरी को सह सचिव व चंद्रेश मौर्या को सह कोषाध्यक्ष के रूप में उनके नाम की घोषणा किया, उपस्थित सभी लोगों ने माला पहनाकर सभी नवचयनित पदाधिकारियों का जोरदार स्वागत अभिनंदन व माल्यार्पण करते हुए बधाई दिया। इस अवसर पर श्रीमती आदर्श वर्मा, संतोष अग्रहरी, नागेंद्र यादव, विवेकानंद मौर्या, चंद्रेश मौर्या, ताहिर कादरी सोनू, लोकेश जावा, डॉ राशिद खान, धीरज गुप्ता, हर्ष माहेश्वरी, रविंद्र यादव एडवोकेट, अवधेश इत्यादि विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन पूर्व सचिव विकास अग्रहरी ने किया सभी के प्रति आभार नवचयनित सचिव विनीत गुप्ता ने व्यक्त किया।

लावारिस शव की हुई शिनाख्त, खेतासराय का किराना व्यवसाई था मृतक

विशाल सोनी, शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। कोतवाली क्षेत्र अन्तर्गत आजमगढ़ मार्ग पर सड़क किनारे लावारिस शव मिला था। जिसकी शिनाख्त खेतासराय निवासी किशन साहू की के रूप में हुई है। आजमगढ़ मार्ग स्थित कांशीराम आवास के समीप सड़क के किनारे रविवार को एक लावारिस युवक का शव पड़ा मिला था। जिसका शिनाख्त खेतासराय के कासिमपुर वार्ड नं 7 किशन साहू उर्फ कृष्णा पुत्र राम जतन साहू के रूप में हुआ। मृतक कैसे शाहगंज पहुंचा किन परिस्थितियों में पहुंचा परिजनों के लिए पहेली बनी हुई है। मृतक की खेतासराय के गोला बाजार में किराना की दुकान है। मृतक के दो बेटे है,10 वर्षीय रूद्र व 7 वर्षीय सिद्धार्थ है। पत्नी गुड़िया का रो रो कर बुरा हाल हो गया है। मृतक घर से रविवार को 11 बजे छोटे बेटे से पांच मिनट लौटने को कह कर घर से निकला था।

खेतासराय पुलिस ने बीएनएस से सम्बन्धित 1 वांछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार

खेतासराय,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। डॉ0 कौस्तुभ, पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर जौनपुर, अरविन्द कुमार वर्मा के मार्गदर्शन एंव क्षेत्राधिकारी शाहगंज, अजीत सिंह चौहान

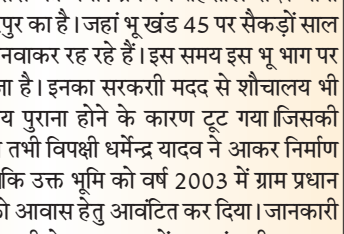

के पर्यवेक्षण व रामाश्रय राय थानाध्यक्ष खेतासराय, जौनपुर के कुशल नेतृत्व में उ0नि0 शैलेन्द्र कुमार राय मय पुलिस टीम द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 14/2025 धारा 64/352/351(3)/333 बी.एन.एस. से सम्बन्धित नामजद अभियुक्त संगम कौशल पुत्र सुभाषचन्द्र हालपता ग्राम मानीकलां थाना खेतासराय जनपद जौनपुर को आज दिनाँक-13.01.2025 को मानीकला हाल्ट के पास से गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुए न्यायालय भेजा गया।

लोहे की चोरी करने का औजार के साथ एक गिरफ्तार

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। डा0 कौस्तुभ, पुलिस कप्तान जनपद जौनपुर द्वारा चलाये जा रहे।अभियान अपराध एवं अपराधियों एवं वाँछित/ वारण्टियों तथा शातिर अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये गये विशेष अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण व क्षेत्राधिकारी मड़ियाहूँ गिरेन्द्र कुमार सिंह के पर्यवेक्षण एवं दिशाझनिर्देशन व थानाध्यक्ष अमित कुमार पाण्डेय थाना नेवढिया के नेतृत्व मे उ0नि0 महेशचन्द्र राव थाना नेवढिया जौनपुर द्वारा चौकीदार शीतला प्रसाद की सूचना पर सरकारी विद्यालय में चोरी का प्रयास कर रहे 01 अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। अभियोग पंजीकृत कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा रहा है। गिरफ्तार अभियुक्त का विव?ण-1.नगीना वनवासी पुत्र निरहू वनवासी निवासी ग्राम भाऊपुर थाना जलालपुर जनपद जौनपुर।

लेखपाल पर नांद-खूटा हटाकर कब्जा दिलाने का आरोप

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी न्यायालय में मुकदमा लंबित रहने के दौरान लेखपाल ने गरीब के पशुओं की नांद-खूटा आदि उखड़वाकर एक पक्ष को कब्जा दिलाने की कोशिश की गयी। प्रकरण तहसील सदर थाना लाइन बाजार अर्न्तगत ग्राम कंधरपुर का है। जहां भू खंड 45 पर सैकड़ों साल से नट बिरादरी के लोग मकान बनवाकर रह रहे हैं। इस समय इस भू भाग पर केवला देवी पत्नी चइतू का कब्जा है। इनका सरकारी मदद से शौचालय भी इसी भूमि पर बना था। शौचालय पुराना होने के कारण टूट गया।जिसकी मरम्मत केवला देवी करा रही थी तभी विपक्षी धर्मेन्द्र यादव ने आकर निर्माण रोकवा दिया। बाद में ज्ञात हुआ कि उक्त भूमि को वर्ष 2003 में ग्राम प्रधान ने अपने परिवार के एक व्यक्ति को आवास हेतु आवंटित कर दिया। जानकारी होने पर केवला देवी ने जिलाधिकारी के न्यायालय में पट्टा मंसूखी का वाद दाखिल कर दिया। उक्त वाद न्यायालय में लंबित रहते हुए हल्का लेखपाल संजीत कुमार सिंह, ग्राम प्रधान शैलेन्द्र यादव, धर्मेन्द्र यादव तथा दो पुलिस कर्मियों ने ललकार कर केवला देवी की भैंस, बकरी खूंटे से छोड़कर भगा दिये तथा कंटीले तार से जमीन की घेराबंदी करने लगे। पीड़िता देर शाम तक फरियाद लेकर उपजिलाधिकारी सदर के कार्यालय पर बैठी रही। उक्त प्रकरण में लेखपाल समेत अन्य लोगो पर कार्यवाही की मांग की गयी है।

व्यापार मण्डल केराकत नगर अध्यक्ष बनाये गये कृष्ण कुमार उपाध्याय राजू, महामंत्री बने दयाराम गुप्ता

तहसील एवं नगर के सभी पदाधिकारियों को दिलाई गई शपथ

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मण्डल केराकत शपथ ग्रहण समारोह बड़े ही धूमधाम से किया गया। साथ ही केराकत नगर सहित केराकत तहसील अध्यक्ष घनश्याम जायसवाल तहसील महामंत्री साहबलाल यादव को बनाया गया। साथ ही सभी केराकत नगर और तहसील व्यापार मण्डल के पदाधिकारियों को शपथ ग्रहण कराया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मण्डल जौनपुर के जिला अध्यक्ष एवं नगर पालिका परिषद जौनपुर के पूर्व चेयरमैन दिनेश टण्डन रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष दिनेश टण्डन ने कहा कि केराकत नगर की प्रथम महिला चेयरमैन एवं उनके पति को कोटि-कोटि धन्यवाद देता हूं कि यह कार्यक्रम बहुत ही शानदार तरीके से इन्होंने कराया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमती ज्योति कृष्णा जायसवाल उर्फ गोलू चेयरमैन नगर पंचायत केराकत ने किया। कार्यक्रम का सुन्दर संचालन संजय कुमार कसौधन ने किया। और सरस्वती

वन्दना कुन्दन सेठ ने किया। इस दौरान संरक्षक राजन खान व चेयरमैन पति प्रतिनिधि कृष्णा जायसवाल उर्फ गोलू ने मुख्य अतिथि दिनेश टण्डन एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं केराकत चेयरमैन ज्योति कृष्णा जायसवाल को स्मृति चिन्ह व शाल भेंट किया गया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए युवा नेता एवं चेयरमैन पति प्रतिनिधि कृष्णा जायसवाल उर्फ गोलू ने कहा कि व्यापारियों की समस्या मेरी समस्या है यदि किसी भी व्यापारी को कभी भी कहीं भी मेरी जरूरत यदि पड़ती है तो बगैर देरी किए इसकी सूचना तुरंत मुझे दें मैं आपलोगों के कन्धों से कन्धा मिलाकर चलने का काम करूंगा। इस अवसर पर मनोज कुमार कमलापुरी, राजन खान, अशर्फी उर्फ भानू सेठ, प्रबन्धक बृजेश कुमार जायसवाल, घनश्याम जायसवाल, सुजीत जायसवाल, सन्तोष सेठ, साहिद खान, वकील अंसारी सहित केराकत नगर एवं तहसील के पदाधिकारियों को शपथग्रहण कराया गया।

अघोराचार्य महाराज की तपोस्थली पर पहुंचकर बाबा कीनाराम की प्रतिमा पर डीएम ने किया माल्यार्पण

- जिलाधिकारी ने जरूरतमंदों को वितरित किया कम्बल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र के द्वारा तहसील केराकत स्थित

अघोराचार्य महाराज बाबा कीनाराम की तपोस्थली पर पहुंचकर बाबा कीनाराम की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए दर्शन पूजन किया गया। इसके उपरांत जिलाधिकारी के द्वारा वहां उपस्थित वृद्धजन, गरीब, असहाय और जरूरतमंदों को कंबल वितरित किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि इस पावन धरती पर आने का सुअवसर प्राप्त हुआ।जिलाधिकारी ने विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि जनपद में पंजीकृत किसानों के सापेक्ष अभी फार्मर रजिस्ट्री में प्रगति बहुत कम है जिसमें सभी के सहयोग से फार्मर रजिस्ट्री की प्रगति को बढ़ाने की आवश्यकता है।इस दौरान उन्होंने फार्मर रजिस्ट्री सहित शासन द्वारा संचालित समस्त योजनाओं में पात्रों का चयन करते हुए उन्हें लाभ दिलाने के निर्देश अधिकारियों को दिए। जिलाधिकारी ने खंड विकास अधिकारी को निर्देशित किया कि मंदिर परिसर में नियमित रूप से साफ-सफाई होनी चाहिए। जिलाधिकारी ने उपस्थित लोगों से कहा कि जनपद में चल रहे फार्मर रजिस्ट्री कार्य में सहयोग करे,सभी लोग अपने नजदीकी सीएससी सेंटर पर जाकर पंजीयन अवश्य करा लें। 70 वर्ष से अधिक आयु के लोगों का आयुष्मान कार्ड बनाए जाने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी साई तेजा सीलम, उप जिलाधिकारी केराकत सुनील कुमार, जिला पंचायत राज अधिकारी, थाना प्रभारी, अन्य अधिकारीगण सहित स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

पहले ही स्नान में दिखा आस्था-उमंग का जनसैलाब, महाकुम्भ की दिव्यता देख श्रद्धालु हुए मुग्ध

इम्तियाज अहमद/संदीप कुमार सोनी

- आस्था के महापर्व महाकुम्भ-2025 के पहले स्नान पर उमड़ा अपार जनसैला
- संगम नोज पर उमड़ी सबसे ज्यादा भीड़, सभी घाटों पर लगा श्रद्धालुओं का तांता
- असंख्य कल्पवासियों ने मोक्षदायनी संगम में डुबकी लगाकर अगले 45 दिन कल्पवास के विधिवत नियमों के पालन का लिया संकल्प
- देश-प्रदेश समेत विदेश के श्रद्धालुओं का भी प्रयागराज में दिखा अपार जनसमूह, एकता के महाकुम्भ को लेकर योगी सरकार की तैयारियों से दिखे संतुष्ट

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। महाकुम्भ-2025 का आगाज 144 वर्षों की प्रतीक्षा, अनन्य आस्था, अगाध भक्ति, हर्ष-उमंग और भावनाओं के उमड़ते ज्वार को साक्षात्कार करने सरीखा अनुभव बन गया। न केवल देश-प्रदेश बल्कि विदेशों से आए लाखों श्रद्धालुओं के जप-तप और पुण्य-मोक्ष का मार्ग बनने के साथ ही, एकता के सूत्र में बांधने वाला एक ऐसा माध्यम बन गया जिसकी तुलना किसी अन्य घटना से होना असंभव है। मानवता के इस अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर का साक्षी बनने, अपने जन्मों के पुण्यों को साकार करने और मानव सभ्यता के इस सबसे बड़े विलक्षण क्षण का साक्षी पहले ही दिन बनने की होड़ तीर्थराज प्रयागराज के संगम नोज समेत सभी स्थायी व अस्थायी घाटों पर दिखी। यहां भाव विह्वल श्रद्धालु भीगी पलकों से इस सुखद क्षण का साक्षात्कार करते हुए अपनी पूजा व अर्चन विधि से भक्ति में रमने के साथ ही एकता के संगम में सराबोर होते दिखे।

पहले ही दिन रिकॉर्ड भीड़ के मिले संकेत: पौष पूर्णिमा के अवसर पर महाकुम्भ-2025 के प्रारंभ होने और पहले स्नान के अवसर पर ही पूरी दुनिया से महाकुम्भनगर स्थित मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं की अपार भीड़ देखने को मिली। ये श्रद्धालु उत्तर प्रदेश की योगी सरकार की तैयारियों से बेहद संतुष्ट दिखे और महाकुम्भ पर्व को लेकर की गई सुव्यवस्थित व्यवस्था को देखकर मुक्त कंठ से डबल इंजन की सरकार की तारीफ करते दिखे। स्नान के दो दिन पूर्व ही लाखों की तादात में श्रद्धालुओं ने स्नान किया और पहले दिन श्रद्धालुओं का अपार उत्साह-उमंग दशार्ता है कि आगे आने वाले 45 दिनों में महाकुम्भ-2025 में उत्तर प्रदेश सरकार के अनुमान से भी ज्यादा भक्तों की भीड़ उमड़ सकती है।

कल्पवासियों ने स्नान कर कल्पवास के नियमों का लिया संकल्प: पौष पूर्णिमा के अवसर पर कल्पवासी संगम में स्नान कर कल्पवास के कठिन नियमों का महाकुम्भ अवधि के दौरान पालन करते हुए पुण्य प्राप्ति, सद्गति, मोक्ष प्राप्ति और सकल विश्व के कल्याण के लिए प्रार्थना करते हैं। स्वयं व अपने परिजनों के कल्याण के साथ ही सकल विश्व के कल्याण के लिए भी कल्पवासी प्रार्थना करते हैं। महाकुम्भ के प्रारंभ होने के साथ ही सोमवार होने के कारण महादेव की उपासना के विशेष संयोग ने इस क्षण को और भी दुर्लभ बना

दिया और महाकुम्भ मेला क्षेत्र के सभी घाटों पर श्रद्धालु महादेव की उपासना में पवित्र जलधारा में डुबकी लगाकर संकल्प लेते दिखे। हर-हर महादेव, जय श्रीराम और जय बजरंग बली की जैसे नारों से रह-रहकर संगम नोज समेत सभी घाट दिनभर गुंजायमान होते रहे। वहीं, साधारण गृहस्त श्रद्धालुओं में भी स्नान को लेकर अपार उत्साह देखने को मिला। पहले ही दिन प्रयागराज व आसपास के इलाकों समेत बिहार, हरियाणा, बंगाल, ओडिशा, दिल्ली, उत्तराखंड, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र तथा मध्य प्रदेश जैसे प्रांतों की भारी भीड़ संगम समेत तीर्थराज प्रयागराज के विभिन्न घाटों पर देखने को मिली।

विदेशी श्रद्धालु भी हुए महाकुम्भ के मुरीद: संगम घाट पर देश-विदेश के श्रद्धालुओं का तांता देखने को मिला। साउथ कोरिया से आए यू-ट्यूबर दल महाकुम्भ के विभिन्न शॉट्स को अपने कैमरे से कैप्चर करते दिखे तो जापान से आए पर्यटक महाकुम्भ में अपार जनसैलाब को देखकर स्थानीय गाइडों से जानकारी लेते दिखे। रूस-अमेरिका समेत यूरोप के विभिन्न देशों से आए सनातनी श्रद्धालुओं ने सोमवार को आस्था और एकता के इस महापर्व का साक्षात्कार करने के साथ ही पुण्य की डुबकी भी लगाई। स्पेन से आई क्रिस्टीना भी इन्हीं में से एक थीं जिन्होंने महाकुम्भ की भव्यता को देखकर मुक्त कंठ से इस अद्भुत क्षण की प्रशंसा की। गौरतलब यह है कि महाकुम्भ में इस वर्ष जिस प्रकार की भीड़ उमड़ने का अंदाजा लगाया जा रहा है वह दुनिया के विभिन्न देशों की जनसंख्या से भी ज्यादा है। ऐसे में, विदेशी न केवल कौतुहल में खिंचकर आस्था और एकता के इस महापर्व का साक्षी बनते दिखे, बल्कि सनातन धर्म को अपना चुके और सनातन आस्था को अंगीकार कर चुके विभिन्न साधु-संन्यासियों ने भी आस्था की पवित्र डुबकी लगाकर खुद को धन्य किया।

ऐसी रौनक पहले नहीं देखी: महाकुम्भनगर में संगम मेला क्षेत्र और लेटे हनुमान मंदिर के समीप पूजा सामग्री बेचने और घाटों पर श्रद्धालुओं को तिलक लगाने वाले बेहद व्यस्त दिखे। श्रद्धालुओं की इच्छा अनुरूप प्रसाद, चुनरी, दीपदान सामग्री बेच रहे फुटकर दुकानदारों और तिलक लगाने का काम कर रहे लोगों का मानना है कि 2019 के कुम्भ मेले की अपेक्षा इस बार का महाकुम्भ न केवल दिव्य व भव्य है।बल्कि भीड़ भी कई गुना ज्यादा है और इससे उनकी आमदनी भी अच्छी-खासी होगी। तिलक लगाने का कार्य कर रहे प्रदीप उपाध्याय के अनुसार, वह 2019 में भी कुम्भ के दौरान इस कार्य को कर रहे थे। मगर इस बार लोगों में पहले से कहीं ज्यादा उत्साह-उमंग है। इसी प्रकार, फूलपुर से आकर संगम क्षेत्र में पूजन-अर्चन की फुटकर दुकान चला रही संतोषी देवी ने कहा कि लोग उनसे सबसे ज्यादा गंगा जल स्टोर करने वाले डिब्बे खरीद रहे हैं।

प्रतिबंध के बावजूद नहीं रुक रही चाइनीज मांझे की बिक्री

काशीगाव थाने के पुलिस ने किया मामला दर्ज

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। काशीगाव पुलिस थाने की अपराध जांच शाखा के अधिकारी एवं कर्मचारियों ने काशीमीरा ढाचकुल पाड़ा में गस्त कर रहे थे। तभी मंजूर जनरल स्टोर नामक दुकान में, गुलाब प्रसाद नंदलाल गुप्ता के कब्जे से प्रतिबंधित चाइनीज नायलॉन मांझा बेचते समय कुल 8 गट्ठू साइकिल बरामद किया गया। जिसकी कीमत 9,200 रुपए बताई जा रही है। इसके विरुद्ध काशी गाव पुलिस थाना केस रजि नंबर 25 /2025, सी, 223 बी,एन,एस, पर्यावरण संरक्षण अधिनियम के साथ सी, 5,15 के अनुसार कारवाई किया गया। प्राप्त जानकारी काशीगाव वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक महेश मो,तोगरवाड़े ने कहा कि इसी तरह नियम व कायदे के अनुसार आगे भी कार्रवाई होती रहेगी।

पूर्णिमा पर्व पर हुआ पौष बड़ा का आयोजन

चिराना। उदयपुरवाटी रोड़ पर स्थित गिरिराज कॉलोनी के सामने पौष की पूर्णिमा के दिन यहां के दुकानदारों व सहयोगी साथियों ने मिलकर कोफ्ता पकौड़ी वितरण का कार्यक्रम रखा जिसमें ठंड के साए में राहगीरों ने गर्मा गर्म पकौड़ियों का लुत्फ उठाया सुबह सवा दस बजे से शुरू होकर शाम को 5 बजे तक वितरण जारी रहा यहां पर टी स्टॉल पर चाय की चुस्कियां लेते हुए लोग नजर आए। इस दौरान लोकेश मिस्त्री,सुनील जांगिड़,देवराज सैनी,प्रदीप सैनी, बाबूलाल सैनी,अजयपाल सिंह,हरि सैनी,जीतू सैन,शीशराम सैनी,चेतन कुमावत,कैलाश सैनी,महावीर सैनी, भींवाराम सैनी सहित कई जने उपस्थित रहे।

श्रीमद्भागवत कथा में उमड़ी भक्तों की भीड़

नालासोपारा। श्रीराम जानकी सेवा समिति नालासोपारा पूर्व के तत्वावधान में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के षष्ठम दिन भागवताचार्य श्रीश्याम जी महराज ने भक्त को पूर्ण की संज्ञा प्रदान की, महराजश्री के उपरोक्त उद्गार वृतासुर प्रसंग से लिए गये। कथा में आए हुए भक्तजन उन्मुक्त भाव से उत्तम कथा की भूरि भूरि प्रसंसा की।कथा के आयोजक सूर्यकान्त पांडेय, उपाध्यक्ष मनोज पांडेय , अजय पांडेय, धर्मेन्द्र मिश्र, नरेन्द्र पांडेय,यदुवेन्द्र मिश्र(सोनू), रविन्द्र तिवारी, केशव मिश्र इत्यादि प्रस्तुत ज्ञान यज्ञ को सफल बनाने के लिए अहर्निश लगे हुए है। कार्य क्रम के यज्ञाचार्य अनुराग पांडेय, विनोद पांडेय एवं अनुभव पांडेय यज्ञ का संचालन कर रहे है।

गन्ने से ओवरलोड ट्रक पलटने से तीन बच्चों की मौत

लखीमपुर खीरी (उत्तरशक्ति)। लखीमपुर खीरी के धौरहरा क्षेत्र में देवीपुरवा गन्ना सेंटर से ओवरलोड गन्ना भरकर गोविंद शुगर मिल ऐरा जा रहा ट्रक टेगनहा गांव में अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसा सोमवार शाम करीब पांच बजे हुआ। ट्रक के नीचे दबने से तीन बच्चों की मौत हो गई, जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल बच्चे को सीएचसी भेजा। धौरहरा कोतवाली क्षेत्र के देवीपुरवा गांव स्थित गन्ना खरीद केंद्र से गन्ने से भरा गोविंद शुगर मिल ऐरा जा रहा था। बताया जा रहा है कि ट्रक गन्ने से ओवरलोड था, जिससे टेगनहा गांव में पलट गया। सड़क किनारे खड़े चार बच्चे ट्रक के नीचे दब गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आनन फानन हैड्रा मशीन से गन्ना हटवाने के बाद बच्चों को निकाला। हादसे में आयसा (7 वर्ष) पुत्री हुसैन निवासी चितलहा बहराइच की मौके पर मौत हो गई। जबकि सीएचसी धौरहरा भेजे गए रूहान (4 वर्ष) पुत्र कुतबुद्दीन निवासी टेगनहा महनून (4) और आरिफ निवासी महराजनगर ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। फरहीन (11 वर्ष) पुत्री कासिम निवासी टेगनहा गंभीर रूप से घायल है। उसका इलाज चल रहा है। सीओ प्रीतम पाल सिंह ने बताया कि हादसे में तीन बच्चों की मौत हुई है।

शाहजहांपुर में चीनी मांझा बेचने वाले तीन लोग गिरफ्तार

शाहजहांपुर(उत्तरशक्ति)। शाहजहांपुर में चीनी मांझे के खिलाफ अभियान के तहत चौक कोतवाली पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 46 किलो चीनी मांझा बरामद किया गया है। सिपाही शाहरुख हसन की चीनी मांझे से गर्दन कटने से मौत के बाद एसपी के निर्देश पर अभियान चलाकर चीनी मांझा बेचने वाले तलाश किए गए। थाना प्रभारी राजीव तोमर के नेतृत्व में पुलिस टीम ने निमार्णाधीन नगर निगम कार्यालय के पास से तीन लोगों को गिरफ्तार किया। सीओ सिटी पंकज पंत ने बताया कि पुलिस ने जहांगीर, इजहार निवासी मोहल्ला मोहम्मदजई और मोहम्मद इरशाद निवासी खलीलगर्वी को पकड़ा है। उनके पास तीन प्लास्टिक की बोरी में 33 चकरी प्रतिबंधित मांझा बरामद किया। इसका वजन 46 किलो 750 ग्राम है। आरोपियों के विरुद्ध पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 समेत अन्य धारा में रिपोर्ट दर्ज की गई है। नगर मजिस्ट्रेट प्रवेंद्र सिंह के नेतृत्व में सदर और चौक कोतवाली पुलिस ने रविवार को शहरी क्षेत्र में कई जगहों पर पतंगों की दुकानों पर छापा मारा। यहां पर अधिकतर जगहों पर दुकानें बंद मिली। इस बीच चौक कोतवाली क्षेत्र में गुदड़ी बाजार में दुकानों पर छापा मारी के दौरान चीनी मांझा बरामद हुआ। मोहल्ला बहादुरगंज स्थित पतंग व्यापारी खलील और मुख्य बाजार की बजरिया वाली गली में पतंग व्यापारी के यहां छापा मारा गया। हालांकि पुलिस खाली हाथ रही। मोहल्ला सैयद बाड़ा, चौहटियां, चेरचोवा आदि में पुलिस टीमों ने छापा मारा। किसी भी पतंग व्यापारी के यहां चीनी मांझा बरामद नहीं हुआ। इंस्पेक्टर ने चेतावनी दी कि प्रतिबंधित मांझा बेचने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

तिलहर में पुलिस ने पतंग और मांझा बेचने वाले व्यापारियों के प्रतिष्ठानों और घरों पर छापामार कार्रवाई की, लेकिन यहां से पुलिस को बैरंग लौटना पड़ा। इंस्पेक्टर राकेश कुमार के नेतृत्व में पुलिस की दो टीमों ने नगर क्षेत्र में चीनी मांझा की तलाश में अभियान चलाया। सिपाही की मौत के मामले में गैर इरादतन हत्या का मुकदमा शनिवार की शाम को आए सिपाही शाहरुख के भाई साजिद की तहरीर पर चौक कोतवाली में अज्ञात के विरुद्ध गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है। इसमें कहा कि लापरवाही से पतंग उड़ाने के कारण उनके भाई की जान चली गई। इंस्पेक्टर राजीव तोमर ने बताया कि गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है। घटनास्थल के आसपास के कैमरे मिले खराब सिपाही शाहरुख की मौत के बाद पुलिस ने घटनास्थल के आसपास के कैमरों की फुटेज को देखने का प्रयास किया। इसमें अधिकतर कैमरे खराब मिले हैं, जो कैमरे चल रहे थे।

बाबा फलहरीदास की चाकू मारकर हत्या

कुशीनगर(उत्तरशक्ति)। कुशीनगर के बेरवापट्टी थानाक्षेत्र के एक शिव मंदिर के पुजारी फलहरीदास की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। गांव वालों को जानकारी हुई तो उन्होंने पुलिस के खिलाफ हंगामा शुरू कर दिया। मौके पर आए पुलिसकर्मियों पर गांव वाले भड़क गए। पुलिस और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। हंगामा बढ़ते देख कई थानों की पुलिस को मौके पर बुलाया गया। भारी पुलिस बल की मौजूदगी में शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। मंदिर के अंदर फर्श पर खून के छीटे पसरे हैं। पुलिस के अनुसार धारदार हथियार से बदमाशों ने हत्या किया है। करीब 30 साल से मंदिर पर साधु रहते थे।

प्रजापति समाज विकास मंडल रजि. का 20वां वार्षिक सम्मेलन संपन्न

पनवेल, नई मुंबई। प्रजापति समाज विकास मंडल रजि. राष्ट्रीय सामाजिक संस्था का 20वां वार्षिक सम्मेलन रविवार 12 जनवरी को आंध्र कला समिति हॉल, सेक्टर- 2, नवीन पनवेल , नवी मुंबई में शानदार ढंग एवं हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। सम्मेलन का उद्घाटन मुख्य अतिथि राजेश प्रजापति प्रमुख भवन निमार्ता, के. एन. वर्मा-पूर्व महाप्रबंधक मझगांव डाक लिमिटेड एवं उपस्थित मान्यवरों के हाथों तालियों की गड़गड़ाहट के बीच दीप प्रज्वलित करके किया गया। मान्यवरों ने महाराजा दक्ष प्रजापति , श्रीसंत श्रीयादे माँ एवं संत शिरोमणि संत श्री गोरा कुंभार की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते हुए उन्हें नमन किया गया। सम्मेलन में मुख्य अतिथि राजेश प्रजापति अग्रणी भवन निमार्ता, अतिथि गण कृष्ण कुमार वर्मा वरिष्ठ वैज्ञानिक बीएआरसी, विनोद खिमजी प्रजापति समाजसेवी, हरीराम आर. प्रजापति उद्यमी, दिनेश प्रजापति समाजसेवी, छाजूराम जालंदर व्यवसायी, हंसमुख भाई परमार प्रजापति समाजसेवी, विकास प्रजापति उद्यमी आदि लोग उपस्थित थे। अतिथियों को संस्था द्वारा सम्मान- पत्र, सम्मान चिन्ह, अंग वस्त्र एवं पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया गया। सम्मेलन में लोगों ने मनोगत व्यक्त करते हुए प्रजापति समाज के उत्थान, प्रगति, सामाजिक चेतना, राजनीतिक भागीदारी, शिक्षा, व्यवसाय/ रोजगार आदि विषयों पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि राजेश प्रजापति ने विशेष रूप से समाज के उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे (डॉक्टर, इंजीनियर) मेधावी

छात्रों को आर्थिक मदद, समाज के अन्य लोगों के साथ कंधा से कंधा मिलाकर चलने पर जोर दिया। आगे उन्होंने कहा कि प्रजापति समाज के लोगों को भी उच्च स्तर पर पहुंचने का प्रयास करना चाहिए। संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्र प्रताप प्रजापति ने संस्था द्वारा किए गए कार्यों और उसकी प्रगति पर समाज बंधुओं को अवगत कराया। समाज के गरीब बच्चों को आर्थिक मदद, शिक्षा संबंधी मदद एवं समाज की गरीब युवाओं युवतियों को संस्था के द्वारा शादी विवाह करने पर भी जोर दिया। उन्होंने आगे कहा कि अगर लोग तैयार होते हैं तो संस्था सब के सहयोग से इसमें भरपूर मदद करेगी। उन्होंने मुख्य अतिथि राजेश प्रजापति से महाराजा दक्ष प्रजापति एवं संत गोरा कुंभार का मंदिर बनवाने का आग्रह किया। सम्मेलन में विशिष्ट महानुभावों को प्रजापति रत्न अवार्ड़ एवं प्रजापति गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में समाज के 10वीं, 12वीं एवं उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले मेधावी छात्रों को रत्नप्रतिभा सम्मान के अंतर्गत उन्हें प्रशस्ति- पत्र, ट्रॉफी एवं गिफ्ट देकर सम्मानित किया गया। सम्मेलन में लगभग 400 समाज बंधुओ ने परिवार सहित बढ़-चढ़ कर भाग लिया। समाज के बच्चों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत प्रस्तुत किया गया। संस्था स्नेह भोजन का आयोजन भी किया गया था जिसमें उपस्थित बंधुओं ने उसका स्वाद लिया। सम्मेलन में सहयोग करने वाले समाज के बंधुओं एवं कार्यकारिणी के सदस्यों का भी स्वागत किया गया। सम्मेलन को सफल बनाने के लिए विनोद कुमार प्रजापति, गजेंद्र प्रजापति, सूर्य नाथ परदेसी, काशीनाथ परदेसी, सर्वजीत प्रजापति, चंद्रशेखर प्रजापति, डॉ. ज्ञान प्रकाश प्रजापति, गोविंद प्रजापति, बच्चे लाल प्रजापति, लोकनाथ प्रजापति, चंद्रजीत प्रजापति, श्रीमती पूनम प्रजापति, विशाल जोगिंदर प्रजापति, राजेंद्र प्रजापति, संजय कुंभार, अजय प्रजापति, गोवर्धन प्रजापति , संजय प्रजापति, इंदर प्रजापति, पी. एन. प्रजापति, कैलाश प्रजापति, सोनू प्रजापति, राजेश प्रजापति, सूरज भगवान दास प्रजापति, रोहित राजेंद्र प्रजापति, लव कुमार प्रजापति, विकास राम अवध प्रजापति, सागर प्रजापति तूफानी प्रजापति आदि ने विशेष मेहनत किया।

पूर्व सांसद कमला प्रसाद सिंह की पुण्यतिथि पर दी गई श्रद्धांजलि

जौनपुर। पूर्वांचल के विकास में महत्वपूर्ण योगदान करने वाले पूर्व सांसद कमला प्रसाद सिंह की सातवीं पुण्यतिथि के अवसर पर आज श्री बजरंग इंटर कॉलेज, घनश्यामपुर में विविध कार्यक्रमों का आयोजन कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम के प्रारंभ में सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रबंधक अनिल कुमार सिंह, प्रधानाचार्य विनोद तिवारी, कमला प्रसाद तिवारी बड़े बाबू, वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे, प्रवक्ता मया शंकर तिवारी, पूर्व छात्र नेता अभिनव सिंह साहिल, टीडी कॉलेज के पूर्व अध्यक्ष अंशुमान सिंह मोनू, टीडी कॉलेज के पूर्व अध्यक्ष रामपाल सिंह, मुरारी सिंह, शशि भूषण मिश्रा, राजेश मिश्रा, संजय तिवारी, रामसागर सिंह, शेर बहादुर मौर्य, अशोक तिवारी, हृदय प्रकाश तिवारी, संजय चतुर्वेदी, विजय तिवारी, जयप्रकाश सिंह, रमाशंकर शुक्ला, अनिल उपाध्याय, अनिल मौर्य, जितेंद्र पांडे, विजय प्रकाश, स्वतंत्र शुक्ला, राघवेंद्र प्रताप सिंह, राहुल गिरी, इंद्र प्रकाश, शीतला प्रसाद मिश्र, प्रदीप सिंह, शैलेंद्र सिंह, संतोष तिवारी, संतोष चतुर्वेदी, अतुल कुमार वर्मा, देवपाल सिंह, सर्वेंद्र सिंह उर्फ गुड्डू सिंह, प्रज्ञा मिश्रा, दीपिका पांडे, चंद्रमा देवी, मोहम्मद शमीम समेत अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। पंडित दिनेश कुमार पाठक ने धार्मिक विधि विधान से हवन पूजन संपन्न कराया। अंत में भंडारा के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

खिचड़ी मेले में सुरक्षा कर्मियों ने संभाला मोर्चा

गोरखपुर(उत्तरशक्ति)। खिचड़ी मेला की सुरक्षा-व्यवस्था में तैनात पुलिसकर्मियों ने रविवार को मोर्चा संभाल लिया। वाच टावर से मेला क्षेत्र और परिसर की 24 घंटे निगरानी हो रही है। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच महाशिवरात्रि तक खिचड़ी मेला चलेगा। खिचड़ी के दिन आने वाले श्रद्धालुओं को असुविधा न हो, इसके लिए सोमवार से शहर की यातायात व्यवस्था में बदलाव किया गया है। डायवर्जन का सख्ती से पालन कराया जाएगा। वाहन निर्धारित स्थान पर खड़े होंगे। गोरखनाथ मंदिर परिसर में आने-जाने वाले रास्तों पर सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। मंदिर के सभी प्रवेश द्वार पर मोर्चा बनाया गया है। खिचड़ी मेला की सुरक्षा में तीन हजार पुलिस/पीएसी के जवान के साथ ही एटीएस के कमांडो की ड्यूटी लगी है। मंदिर में एक अस्थायी थाना और सात पुलिस चौकियां खोली गई हैं।

मकर संक्रांति के अवसर पर एकजुट हुआ ब्रह्मर्षि समाज

पटना(उत्तरशक्ति)। मकर संक्रांति की पूर्व संध्या पर राजधानी के यूथ हॉस्टल परिसर में आपन माटी बिहार के तत्वावधान में आयोजित ब्रह्मर्षि मकर संक्रांति मिलन समारोह में ब्रह्मर्षि समाज के हजारों की संख्या में भूमिहार समाज के लोगों ने शिरकत किया। समाज से आए हुए लोगों ने एकजुटता का परिचय देते हुए मकर संक्रांति मनाया तथा एक दूसरे को मकर संक्रांति की शुभकामनाएं भी दी। मालूम हो कि आपन माटी बिहार द्वारा समय-समय पर कई सामाजिक कार्य किए जाते हैं। जैसे कड़के की ठंड के दौरान गरीबों के बीच मुफ्त कंबल वितरण तथा इस ब्रह्मर्षि समाज के प्रतिभावान लोगों को सम्मानित करने का काम भी प्रत्येक वर्ष आपन माटी बिहार द्वारा किया जाता रहा है। इस मौके पर आपन माटी बिहार के सक्रिय सदस्य अविनाश कुमार ने कहा कि आपन माटी बिहार के तमाम सदस्यों ने इस समारोह के सफल संचालन में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इनके सहयोग तथा समर्पण के कारण समय-समय पर कई सामाजिक कार्य किए जाते हैं। इस

अवसर पर स्वामी सहजानंद सरस्वती के चित्र पर पुष्पांजलि भी अर्पित किया गया। ब्रह्मर्षि मकर संक्रांति मिलन समारोह में आपन माटी बिहार के सक्रिय सदस्य विवेक आचार्य, हेमंत भारद्वाज, रवि रंजन कुमार, अशोक कुमार, मनीष शर्मा तथा संजय जी सहित आपन माटी बिहार और भूमिहार महिला समाज के अन्य सदस्य भी उपस्थित थे।

विरार में भाजपा का सेवा कार्य कैंप संपन्न

विरार (उत्तरशक्ति)। विरार पश्चिम में भाजपा का कार्यक्रम दिनांक 12 जनवरी 2025 को सदस्यता पखवाड़े के अंतर्गत विरार गार्डन पश्चिम में सदस्यता के साथ ही सेवा कार्य कैंप का आयोजन किया गया। जिसमें प्रवीण नाईक, अजय मिश्रा, रोहित केलास्कर, सूरज कामत, साजिद शेख, कमल शर्मा, रतन वैष्णव, शिवा निषाद के द्वारा रखा गया था। जिसमें भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा महाराष्ट्र प्रदेश कार्यालय सचिव चंद्रसेन तिवारी, उत्तर भारतीय मोर्चा महाराष्ट्र प्रदेश आईटी सेल संयोजक ऋषिकेश पाण्डेय, प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ अमित त्रिपाठी उपस्थिति हो कर जन समस्योओं को सुना व उनके निदान हेतु आगे भी इसी तरह कैंप लगवाने के लिए कहा। आम जनता की समस्याओं का निवारण हो सके और भारतीय जनता पार्टी और मजबूती के साथ कार्य कर सके। सदस्यता पखवाड़े में लोगों ने चढ़ बढ़ कर हिस्सा लिया।

एमएलसी रामसुरत राजभर के जन्मदिन पर लोगों ने दी बधाई

आजमगढ़(उत्तरशक्ति)। आजमगढ़ फुलपुर पवई विधानसभा क्षेत्र से एम एल सी विधायक रामसूरत राजभर का जन्मदिन 12 जनवरी 2025 दिन रविवार को समाजसेवी रामसूरत राजभर का जन्मदिन बड़े धूमधाम से मनाया गया। रामसूरत राजभर सरल व्यक्तित्व विचार धारा वाले कुशल नेतृत्व वाले एक सरल सौम्या मृदु भाषी , विनम्र , ऊजावान व्यक्ति व समाज सेवक के साथ साथ समाज के विकास एवं उत्थान के लिए कई कार्यक्रम आयोजित करते रहते हैं। पुर्वांचल में एक विशिष्ट स्थान रखते हैं। उनके जन्मदिवस पर राजपाल सिंह चौहान, अमर सिंह चौहान, सत्यपाल चौहान, राहुल चौहान , सदानुज राजभर, अरविंद चौहान ,एम टी पांडे, मुंबई से डॉ भोलानाथ चौहान, दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के संपादक ओमप्रकाश प्रजापति, उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा ,आर डी सिंह , सुभाष यादव ने जन्मदिन पर हार्दिक बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं।

धरोहर संरक्षण सेवा संगठन की संस्कृति संवाद यात्रा बैठक संपन्न

भायंदर। सनातन शब्द का मतलब है - शाश्वत या 'सदा बना रहने वाला', यानी जिसका न आदि है न अंत । सनातन धर्म को दुनिया के सबसे प्राचीनतम धर्मों में से एक माना जाता है। सनातन धर्म की बुनियाद सत्यम-शिवम-सुंदरम है। धरोहर संरक्षण सेवा संगठन द्वारा अपने 25 वे पड़ाव पर उत्सव हॉल, नवघर रोड, भायंदर पूर्व में आयोजित संस्कृति संवाद यात्रा बैठक में बोलते हुए राष्ट्रीय कथावाचक धर्म गुरु वशिष्ठ महाराज ने उपरोक्त बातें कही। इस अवसर पर उपस्थित रहने वाले प्रमुख लोगों में महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री चंद्रकांत त्रिपाठी, पूर्व मंत्री महादेव जानकर, महक चौधरी, पूर्व मनोनीत नगरसेवक भरत मिश्रा, युवा समाजसेवी भास्कर चौबे समेत

अनेक मान्यवर उपस्थित रहे। अंत में कार्यक्रम के प्रमुख संयोजक कृष्णानंद पांडे ने समस्त लोगों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सनातन धर्म के संरक्षण की दिशा में इस तरह की बैठक का आयोजन लगातार जारी रहेगा। इस अवसर पर सैकड़ों की संख्या में उपस्थित लोगों ने सनातन धर्म की जय का घोष करते हुए अपने जीवन में सनातन धर्म का पालन करने का संकल्प लिया।

आज मकर संक्रांति पर 3 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु करेंगे संगम स्नान

सुरेश गांधी

प्रयागराज। प्रयागराज में संगम तट पर लगने वाला दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक जमावड़ा यानी महाकुंभ सोमवार को पौष पूर्णिमा के शुभ अवसर पर पहले प्रमुख स्नान अनुष्ठान के साथ शुरू हो गया है, जो 144 सालों में पहली बार पूर्ण कुंभ का अद्भुत संयोग प्रस्तुत कर रहा है. संगम नगरी में देश-विदेश से साधु-संत पहुंचे हैं और अखाड़ों का भव्य शिविर सजाया गया है. संत हाथियों, ऊंटों और अन्य वाहनों के साथ वहां की रौनक बढ़ा रहे हैं। संगम किनारे चारों तरफ सनातन धर्म की छटा बिखरी हुई है। हर किसी की जुबां पर राम का नाम और हर-हर महादेव का उद्घोष हो रहा है।

पौष पूर्णिमा पर आज महाकुंभ के पहले दिन अनुमान से भी अधिक श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी। दावा है कि 44 घाटों पर शाम 7 बजे तक 1 करोड़ 75 लाख श्रद्धालु डुबकी लगा चुके हैं। भक्तों पर हेलिकॉप्टर से फूलों की वर्षा की गई। महाकुंभ 144 साल में दुर्लभ खगोलीय संयोग में हो रहा है। यह वही संयोग है, जो समुद्र मंथन के दौरान बना था। इस अद्भुत संयोग का ही परिणाम है कि आज प्रयागराज के संगम को आस्था, संस्कृति और मानवता के जीवंत केंद्र में बदल दिया है। पवित्र जल में डुबकी लगाने वाले लाखों तीर्थयात्रियों में विदेश से आए श्रद्धालु भी शामिल थे, जिन्होंने इस दिव्य आयोजन के चमत्कार का अनुभव किया। योगी सरकार के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने

कहा कि मकर संक्रांति का स्नान आज के स्नान से भी बड़ा होगा. उनका दावा है कि मकर संक्रांति के दिन तीन करोड़ से अधिक श्रद्धालु संगम में डुबकी लगायेंगे। देश के कोने-कोने से भक्त प्रयागराज आए हैं। भीड़ इतनी है कि 3700 लोग अपनों से बिछड़ गए। बाद में खोया-पाया केंद्र से अनाउंसमेंट कर ज्यादातर लोगों को उनके परिवार वालों से मिलवाया गया। हेलिकॉप्टर और एनएसजी कमांडो महाकुंभ में आए लोगों पर नजर रख रहे हैं। विदेशी श्रद्धालु भी बड़ी तादाद में कुंभ में स्नान करने पहुंचे।

प्रशासन के मुताबिक, जर्मनी, ब्राजील, रूस समेत 20 देशों से भक्त पहुंचे हैं। आज से ही श्रद्धालु 45 दिन का कल्पवास शुरू करेंगे। बता दें, संगम पर एंट्री के सभी रास्तों पर भक्तों की भीड़ है। वाहनों की एंट्री बंद है। श्रद्धालु बस और रेलवे स्टेशन से 10-12 किमी पैदल चलकर संगम पहुंच रहे हैं। 60 हजार जवान सुरक्षा और व्यवस्था संभालने में लगे हैं। पुलिसकर्मी स्पीकर से लाखों की संख्या में आई भीड़ को मैनेज कर रहे हैं। जगह-जगह कमांडो और पैरामिलिट्री फोर्स के जवान भी तैनात हैं।

सीएम योगी ने अपने ट्वीट में लिखा, मानवता के मंगलपर्व महाकुंभ 2025 में पौष पूर्णिमा के शुभ अवसर पर संगम स्नान का सौभाग्य प्राप्त करने वाले सभी संतगणों, कल्पवासियों, श्रद्धालुओं का हार्दिक अभिनंदन. प्रथम स्नान पर्व पर आज 1.65 करोड़ सनातन आस्थावानों ने अविरल-निर्मल त्रिवेणी में स्नान का पुण्य लाभ अर्जित किया. आज पौष पूर्णिमा का अमृत स्नान है. सुबह से ही श्रद्धालु गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती नदी के संगम में डुबकी लगा रहे हैं. प्रथम स्नान पर्व को सकुशल संपन्न कराने में सहभागी महाकुम्भ मेला प्रशासन, प्रयागराज प्रशासन, यूपी पुलिस, नगर निगम प्रयागराज, स्वच्छाग्रहियों, गंगा सेवा दूतों, कुम्भ सहायकों, धार्मिक-सामाजिक संगठनों, विभिन्न स्वयंसेवी संगठनों तथा मीडिया जगत के बंधुओं सहित महाकुम्भ से जुड़े केंद्र व प्रदेश सरकार के सभी विभागों को हृदय से साधुवाद! पुण्य फलें, महाकुम्भ चलें।

नालासोपारा आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज की पूर्व छात्रा आयुर्कॉन आयुर्वेद एक्सलेंन्स अवॉर्ड 2025 से सम्मानित

नालासोपारा। (उत्तरशक्ति)। भारतीय राष्ट्रीय आयुर्वेद महासंमेलन नई दिल्ली की राज्य शाखा महाराष्ट्र आयुर्वेद संमेलन द्वारा दिनांक 12 जनवरी 2025 को गोविंदराव आदिक सभागृह, श्रीरामपूर में आयोजित राष्ट्रीय आयुर्वेद परिसंवाद 2025 इस कार्यक्रम में हमारे नालासोपारा आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज की पूर्व छात्रा डॉक्टर हेमाली गोपाळ करपे इन्हे आयुर्वेद संमेलन महाराष्ट्र के अध्यक्ष डॉक्टर सतीश भट्टड, सचिव डॉक्टर ऋजुता दुबे, सीईओ (PIRENS) डॉक्टर सुप्रिया विखे पाटील एवं डॉक्टर सुचित्रा भट्टड इनके हाथों से आयुरकॉन आयुर्वेद एक्सलेंन्स अवॉर्ड 2025 पुरस्कार प्रदान कर सन्मानित किया गया। उन्होंने आम जनसमुदाय में और विशेष रूप से नालासोपारा, वसई ,विरार क्षेत्र में आयुर्वेद के प्रचार प्रसार के साथ रोगियों के देखभाल में भी कई वर्ष तक महत्वपूर्ण योगदान दिया है। नालासोपारा आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज के सभी अध्यापक, अध्यापकेतर कर्मचारी, छात्र तथा नालासोपारा मेडिकल असोसिएशन,नालासोपारा डॉक्टर्स फोरम, वसई तालुका आयुर्वेद ग्रॅज्युएट वेल्फेअर असोसिएशन और नालासोपारा वसई विरार क्षेत्र के सभी लोगो द्वारा उनकी सराहना की जा रही है तथा उनके द्वारा किए गए कार्य की भूरी भूरी प्रशंसा की जा रही है।

मुंबई भ्रमण पर आए जौनपुर पत्रकार संघ मछली शहर के अध्यक्ष अनिल कुमार पांडेय का स्वागत

-रियाजुल हक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश जिले के मछलीशहर तहसील निवासी अनिल कुमार पांडेय वर्तमान में जौनपुर पत्रकार संघ मछली शहर के अध्यक्ष भारतीय जीवन बीमा निगम के गैलेक्सी क्लब मेंबर और लगातार से पांच बार एम डी आर टी हैं। इनके मुंबई आगमन की सूचना वासी कोपर खैरणे समाजसेवी प्रसिद्ध कारोबारी कलीम गौसी शेख कारोबारी अविनाश जायसवाल,मोहम्मद कैफ, मोहम्मद शैफ ,प्रमोद कुमार तिवारी,सुरेश पुरी गोस्वामी ,अंकित चौहान, नालासोपारा के भाजपा नेता रितेश दुबे,अधिवक्ता रमाशंकर तिवारी ,गीता कार्गो एक्सप्रेस के संचालक बृजेश कुमार उपाध्याय,पवन कुमार पांडेय, आदि ने बुके और अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया।कटका गांव के पूर्व प्रधान प्रदीप कुमार यादव का भी सम्मान हो रहा है। अनिल कुमार पांडेय ने बताया कि अभी मुंबई महानगर और उपनगरीय इलाके में कुछ कार्यक्रम को लेकर 20 जनवरी तक का प्रवास है । उसके बाद जौनपुर वापसी होगी।उनके मुंबई आगमन को लेकर जौनपुर मछली शहर क्षेत्र के रहने वाले लोगों का मिलने का सिलसिला लगा रहा।

डॉ. रमाकांत क्षितिज की पुस्तक ' तरीही पुन्हा जगावे ' का हुआ विमोचन

आदेश मिश्र

कल्याण। डॉ. रमाकांत क्षितिज के कहानी संग्रह ' जीवन संघर्ष ' के मराठी अनुवाद ' तरीही पुन्हा जगावे ' का विमोचन कल्याण पूर्व स्थित होली होराइजन स्कूल में छात्र - छात्राओं, शिक्षकों,पालकों एवं लेखक डॉ. रमाकांत क्षितिज की माताश्री श्रीमती भानुमति तिवारी के कर कमलों द्वारा संपन्न हुआ. उल्लेखनीय है कि डॉ. क्षितिज के कहानी संग्रह ' जीवन संघर्ष ' को महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी का मुंशी प्रेमचंद पुरस्कार मिल चुका है. पुस्तक का प्रकाशन आर. के. पब्लिकेशन मुंबई ने किया है. इस कहानी संग्रह का हिंदी से मराठी अनुवाद अपर्णा देशमुख ने किया है. इस अवसर पर बोलते हुए डॉ. रमाकांत क्षितिज ने कहा कि पुस्तक का विमोचन छात्र-छात्राओं शिक्षकों पालकों के हाथों इसलिए करवाया कि ताकि आज डिजिटल दौर में बच्चे युवा लेखन से जुड़े रहे. डॉ. क्षितिज ने कहा कि उनके हर कार्य में उनके स्कूल के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों, मित्रों और पालकों का बहुत प्रभाव है. उस प्रभाव का असर उनके लेखन पर भी पड़ता है. इसलिए छात्र - छात्राओं,पालकों, शिक्षकों के हाथों इसका विमोचन किया गया. डॉ क्षितिज ने यह भी कहा कि महाराष्ट्र में रहने के कारण, मराठी से उन्हें वही प्यार है, जो उन्हें अपनी मां की भाषा अवधी से है.मराठी भाषा में प्रकाशित इस रचना से उन्हें आत्म संतोष का अनुभव हो रहा है.

दिव्यांगजनों को सिर्फ कंबल ही नहीं, रोजगार भी देती है ए.के.एम.डी.

-सुरेश गांधी

वाराणसी। भुलना देवी बेचन वर्मा जन सेवा ट्रस्ट द्वारा संचालित ए.के.एम.डी. स्पेशल कॉलेज ऑफ एजूकेशन, अटेसुआ-मुरदहाबाजार, वाराणसी के तत्वावधान में रविवार को 300 से अधिक दिव्यांगजनों, बुजुर्गों व विधवाओं के बीच कंबल का वितरण किया गया। कंबल के लिए इन लोगों को ग्रामीण क्षेत्रों से बुलाया गया था. बता दें, ट्रस्ट द्वारा दिव्यांगजनों, विधवा तथा 60 साल से ऊपर से बेसहारा महिला-पुरुष वृद्धों को विभिन्न तरह की मुफ्त सेवा दी जाती है. इसी के तहत विभिन्न गांवों से आएं जरुरतमंदों के बीच कंबल का वितरण किया गया. कंबल पाकर हर जरुरतमंद के चेहरे खिल उठे.

ट्रस्टी अशोक कुमार वर्मा ने बताया कि वृद्ध, विधवा और दिव्यांग लोगों को समय-समय पर तरह-तरह की सुविधा भी दी जाती है. उनका मकसद सिर्फ जरुजतमंदों को कंबल या अन्य सुविधाएं ही देना नहीं है, बल्कि वो उन्हें रोजगार भी प्रदान कराते है। ऐसा वह पिछले दो-तीन सालों से करते आ रहे है। उनका कहना है कि ए.के.एम.डी. बेसहारा, असहाय वृद्ध लोगों के लिए एक वरदान की तरह है.

इस मौके पर मुख्य अतिथि एवं भाजपा जिला सचिव राणा चौहान, सहायक सेक्रेटरी अजगरा विधायक टी राम के प्रतिनिधि सिकंदर राम के हाथों गरीबों, असहायों में कंबल वितरित की गई। इस दौरान उन्होंने ए.के.एम.डी. स्पेशल कॉलेज ऑफ एजूकेशन के कार्यो की सराहना करते हुए कहा कि कड़ाके की ठंड के बीच दिव्यांगों को कंबल मिलने से उनके चेहरे पर जो खुशी देखने को मिली, वो काबिलेतारीफ है। इसके लिए संस्थान की जितनी भी सराहना की जाएं कम है। उन्होंने कहा कि ठंड के मौसम में जरूरतमंदो के बीच कंबल वितरण किया जाना पुण्य का काम हैं। इससे ठंड से राहत मिलेगी। उन्होंने ग्रामीणों से अपील किया कि ठंड में अनावश्यक रूप से बिना गर्म कपड़ो के बाहर न निकलें, बहुत जरूरी होने पर सिर ढककर ही बाहर निकले और शाम सुबह अलाव का भी सहारा लें।

स्टी अर्चना पटेल ने कहा कि ग्रामीणों के बीच हर साल ट्रस्ट द्वारा कंबल वितरण किया जाता हैं। आज दिव्यांगजन, वृद्ध, और असहाय महिलाओं-पुरुषों के बीच कंबल वितरण किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रबुद्ध व्यक्तियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने बताया कि ट्रस्ट समाजसेवा और परोपकार में अग्रणी है। इस कंबल वितरण अभियान का उद्देश्य ठंड के मौसम में जरूरतमंदों को राहत पहुंचाना है। समारोह में आएं अतिथियों ने ट्रस्ट के इस प्रयास के प्रति आभार व्यक्त किया और इसे मानव सेवा का बेहतरीन उदाहरण बताया।

इस अवसर पर आयोजनकर्ता मालती देवी वर्मा, कोषाध्यक्ष अशोक कुमार वर्मा, अध्यक्ष अर्चना पटेल, सदस्य अमूल्य सिंह पटेल, सदस्य अपर्णा सिंह पटेल, सदस्य अमरेश सिंह, सदस्य गुलाब चंद्र वर्मा, सदस्य एवं कृषि वैज्ञानिक आईसीएआर रांची डॉ जेपी सिंह, एमजीकेवीपी बच्छाव के प्रोफेसर डॉ रवि शंकर पटेल, एमजीकेवीपी के प्रोफेसर डॉ रामजी सिंह यादव, जेपी महिला विद्यालय के डायरेक्टर इंद्रजीत पटेल, एमवीएच इंटर कॉलेज के डायरेक्टर अभिषेक पटेल, एमवीएच इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य गणेश प्रसाद, उपप्रधानाचार्य अमित कुमार सिंह, शिक्षा विभाग के अधिकारी सतीश चंद्र वर्मा, एसबी एजुकेशन के डायरेक्टर आशुतोष आनंद, राजकुमारी बालिका इंटर कॉलेज की कलावती पटेल, आईजीएआर लखनऊ के डॉ चंद्रशेखर सिंह, अवध नारायण पांडे दिल्ली, मनोज कुमार सिंह प्रधानाचार्य एमपीबीआईसी, गोपाल शर्मा प्रधान संघ संयोजक जौनपुर, रामकरण प्रसाद, मनोज शर्मा, चंद्रमणि प्रधान, तिवारी उद्यान, राहुल मडियाहू, सुभाष पाठक बीडीओ गोंडा, विकास कुमार सिंह जिला दिव्यांग अधिकारी, राजेश कुमार सिंह, विजय शंकर सिंह, रमेश पटेल, सुरेश कुमार सिंह, अभिषेक सिंह, चंद्र सिंह रामवृक्ष सिंह, मुन्नालाल वर्मा भेल अधिकारी, लाभार्थी माया वर्मा, करण चौहान, बीमा मिश्रा, रेखा, संतोष, समीक्षा, दीपू, रूद्र शर्मा, नीतू कनौजिया, चांदनी, दीपशिखा, बबीता पटेल, महिमा आदि मौजूद रहे।

जौनपुर :हजरत अली की पैदाइश की खुशी में सजीं महफिल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शायरों ने की मदहे मौला महफिल में पेश किए हजरत अली की शान में कसीदें दर नया खोला गया है काबे की दीवार में' मिसरे पर शायरो ने पढ़े शेर मुसलमानों के खलीफा शियो के पहले इमाम मौलाए कायनात हजरत इमाम अली अलैहिस्सलाम के जन्मदिवस के मौके पर स्थान मरहूम सैय्यद अली शब्बर के निवास मोहल्ला अजमेरी मे एक महफिल सजी ₹बजमे मौलूदे काबा₹ जिसमें शायरों ने हजरत अली की शान में अपने कलाम पेश किए। कसीदे सुनकर श्रृद्धालु मंत्रमुग्ध होते रहे और खूब वाह वाही किया। इससे पहले महफिल का आगाज धर्मगुरु मौलाना सैय्यद सफदर हुसैन जैदी ने कुरआन-ए-पाक की तिलावत से किया और हजरत अली की जिंदगी पर रोशनी डालते हुए कहा कि हजरत अली अलैहिस्सलाम की ज़िन्दगी

हर इंसान के लिए आइडियल और नमूना है। उन्होंने हाकिम और वली होने के साथ उम्मत की रहबरी जब से जब तक सभाली तारीख गवाह है कि उस दौरान कोई भी भूखा नहीं रहा किसी के साथ नाइंसाफी नही हुई। जो कि आज के दुनिया में तमाम हाकिमों के लिए एक सबक हैं। महफिल का मिसरा ₹दर नया खोला गया है काबे की दीवार मे₹ रहा जिसपर शायरो ने अपने कलाम पेश किये। मौलाना सै. आबिद रजा रिजवी मोहम्मदाबादी ने पढ़ा कि- एक अलीए खामनाई ने पढ़ाया था जुमा, कितना दम है देख ले दुनिया मेरी दस्तार मे। नजमी जौनपुरी ने पढ़ा- जिक्र से हैदर के जीनत दो तुम अपनी बज्म को, लाएगा तब्दीलियाँ ये आपके किरदार में। राहिब जौनपुरी ने पढ़ा- आमदे मालाएं गुल से है मुनव्वर दो जहाँ, नूर बरसा आसमा से गुल खिले गुलजार मे। रविश जौनपुरी ने पढ़ा- हम सही हो जाए गर से सब सही हो जायेगा, है कमी कितनी मेरे अन्दर मेरे किरदार मे। तनवीर जौनपुरी ने पढ़ा- तेरी सूरत आइना दारे सिफाते किबरिया, एक अलग मेराज पिनहा है तेरे दीदार मे। महफि ल में शायरो शादाब जौनपुरी, जीशान अकबरपुरी, मौलाना सै शाजान जैदी, कैफी मोहम्मदाबादी, आमिर कजगांवी, ताबिश काजमी, अली अब्बास, अनवर जौनपुरी, वजीह, मेहंदी जैदी, शोजब भादवी, एतेशाम रूधौलवी, खुमैनी, अबु तालिब जैदी, साहेबरजा, मूसा, अजादार, वसीम, तालिब, जमानत आदि शायरो ने मौला अली की शान मे कसीदे पढ़े। अन्त मे नज़्र-ए-मौला अली हुई और लोगो की सलामती तरक्की की दुआ कराई गई। लोगों ने एक-दूसरे के गले लगकर मुबारकबाद पेश की और खुशियां मनाईं। संचालन सै. मोहम्मद मुस्तफा ने किया। इस अवसर पर कायम आब्दी, आरिफ हुसैनी, सै मो हसन नसीम, इसरार हुसैन एडवोकेट, मुफ्ती नजमुल हसन, दानिश काजमी, मुफ्ती शारिब, असद, इनायत अब्बास काजमी, अनवारूल हसन, मासूम आदि सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

सरपतहा के युवक की मुंबई में सड़क हादसे में मौत

जौनपुर(उत्तरशक्ति)।सरपतहां थाना क्षेत्र के सुइथाकला (महुआतर) गांव निवासी युवक की मुम्बई में सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। युवक के मौत की खबर लगते हीं परिवार में कोहराम मच गया। जानकारी के अनुसार उक्त गांव निवासी जम्मू लाल विन्द (35) पुत्र राम उदित बिन्द कुछ महीने पहले रोजी रोटी के सिलसिले में मुम्बई गया था।वहां वाहन चलाकर अपनी जीविका चला रहा था। रविवार को सड़क हादसे में उसकी दर्दनाक मौत हो गई। देर रात परिजनों को जब उसके मौत की खबर मिली तो कोहराम मच गया। मृतक दो भाइयों में छोटा था। बड़ा भाई घर रहता है। खेती के जरिए परिवार का भरण-पोषण होता है। मृतक की 3 सन्तानें दो बेटी एवं एक लड़का है। घटना के बाद पत्नी का रो–रो कर बुरा हाल है। परिजन मुम्बई से शव लेने के लिए सोमवार को घर से रवाना हो चुके है। मंगलवार को देर शाम तक शव घर पहुंचने की सम्भावना है।

यूपी में बारिश और पहाड़ों पर भारी बर्फबारी से ठिठुरे लोग

वाराणसी(उत्तरशक्ति)।जनपद और पूर्वांचल में रविवार को दोपहर बाद एकाएक बूंदाबांदी ने ठंड बढ़ा दी। तेज हवा के साथ कई जिलों में हल्की बारिश हुई। इससे पहले दोपहर में तेज धूप से लोगों ने राहत महसूस की थी। सुबह कोहरे के साथ हुई हालांकि तापमान में कोई खास असर नहीं दिखा। सोनभद्र 8, मऊ में 9, गाजीपुर और जौनपुर में 10, भदोही और वाराणसी में 10.6, बलिया में और मिजार्पुर में 11, आजमगढ़ 12, चंदौली में 13 न्यूनतम तापमान रिकार्ड किया गया।वाराणसी में आज का तापमान अधिकतम 23 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 10.6 डिग्री सेल्सियस रहेगा।सूर्योदय लगभग सुबह 06:46 और सूर्यास्त शाम 5:19 पर होने का अनुमान है।

भाजपा को वर्ष 2024 के अंत में महाराष्ट्र में विजय मिली

नईदिल्ली। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने महाराष्ट्र के शिरडी में भाजपा प्रदेश अधिवेशन के समापन समारोह में भाग लिया। इस दौरान अमित शाहने कहा कि वर्ष 2024 के अंत में महाराष्ट्र में भाजपा की शानदार विजय ने न केवल राज्य की राजनीति में पार्टी की स्थिति को मजबूती दी है, बल्कि यह संकेत भी दिया कि भाजपा पूरे देश में अपने प्रभाव को बढ़ा रही है। अब 2025 की शुरूआत में दिल्ली में भाजपा की विजय की संभावना अधिक प्रबल दिख रही है।

अमित शाह ने कहा कि महाराष्ट्र की जनता ने फिर से एक बार सनातन संस्कृति और हिंदुत्व को चुना है। भाजपा कार्यकताओं की मेहनत से मिली ऐतिहासिक विजय ने इंडी गठबंधन का आत्मविश्वास समाप्त

कर दिया है।

भाजपा की चुनावी रणनीति हमेशा से ही समग्र विकास, अच्छे शासन, और राष्ट्रवादी विचारधारा पर आधारित रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पार्टी ने देशभर में एक सशक्त और स्थिर सरकार का संदेश दिया है। भाजपा ने हमेशा ही अपनी नीतियों के जरिए सामान्य जनता से जुड़ने का प्रयास किया है, और यही कारण है कि पार्टी ने महाराष्ट्र में शानदार जीत हासिल की है।

भारतीय जनता पार्टी की परंपरा है कि जो कहते हैं, वो करते हैं, भाजपा ने जो-जो कहा है, वो सब पूरा किया है। पार्टी ने 2014 से लेकर 2024 तक देश की जनता को अनगिनत वादे किए और उन सभी वादों को पूरा भी किया है। भाजपा ने श्रीराम मंदिर बनवाने का वादा किया था और आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 22 जनवरी 2024 को अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर में राम लला की प्राणप्रतिष्ठा कर वादा पूरा कर दिया। मोदी सरकार ने धारा 370 को खत्म किया और देश से आतंकवाद को समाप्त किया। भाजपा ने गरीबों के कल्याण का वादा किया था। भाजपा सरकार ने 60 करोड़ गरीबों को घर, गैस, अनाज, बिजली, पानी और 5 लाख रुपये तक का मुफ़्त इलाज प्रदान किया। केजरीवाल सरकार केंद्र सरकार की योजनाओं और दिल्लीवासियों के बीच दरार बनकर खड़ी है, जो दिल्ली की जनता को हर उस लाभ से वंचित कर रही है जिसके वह हकदार हैं। भाजपा की चुनौती विशेष रूप से आम आदमी पार्टी से है, जो पिछले कुछ वर्षों से दिल्ली की सत्ता पर काबिज है। लेकिन भाजपा के पास अनुभव, नेतृत्व और एक मजबूत संगठन है, जो आगामी चुनाव में उसकी बड़ी ताकत बन सकता है। दिल्ली की जनता की अपेक्षाएं बदलाव, सुरक्षा, और बेहतर प्रशासन से जुड़ी हुई हैं, और भाजपा इन चुनावों में जीत हासिल कर जनता को यह सब सुविधाएं देगी।

भाजपा के लिए 2025 में दिल्ली में विजय प्राप्त करना कोई असंभव कार्य नहीं है। महाराष्ट्र की सफलता को देखते हुए पार्टी दिल्ली में भी उसी तरह की रणनीति अपनाने जा रही है, जो उसे पहले से ही सकारात्मक परिणाम देने वाली साबित हुई है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा की नीतियां और संगठनात्मक ताकत पार्टी को दिल्ली में विजय दिलाने के लिए सक्षम हैं।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी एक के बाद के एक विजय लेकर आगे बढ़ रही है। 8 फरवरी को दिल्ली में भी भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने जा रही है। 2024 को विजय के साथ अंत करने का काम महाराष्ट्र भाजपा ने किया और 2025 के विजय की शुरूआत दिल्ली भाजपा करने वाली है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में 2047 तक भारत दुनिया में प्रथम स्थान पहुंचे और हर क्षेत्र में सर्वप्रथम, पूर्ण विकसित राष्ट्र, सुरक्षित राष्ट्र और शिक्षित राष्ट्र हो इसके लिए भाजपा प्रतिबद्ध है।

माँ सुशीला छात्रवृत्ति और सोशल आइकन अवाड्र्स 2025 का आयोजन

नालासोपारा(उत्तरशक्ति)। माँ सुशीला छात्रवृत्ति और सोशल आइकन अवाड्र्स 2025 का आयोजन 11 जनवरी 2025 की शाम को एवर्शाइन वसई ईस्ट में हुआ।

कार्यक्रम की शुरूआत एक्स-सर्विस इंडियन नेवी के केशव पंडित और अभिनेता अंकुश देशमुख द्वारा रिबन काटने से हुई। इसके बाद माँ सुशीला देवी की आठवीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई और मुख्य अतिथियों केशव पंडित, उनकी पत्नी और प्ले बैक सिंगर नम्रता दास द्वारा दीप प्रज्वलित किया गया।इसके बाद नम्रता दास ने श्रद्धांजलि गीत प्रस्तुत किया और लेजीम शो का आयोजन पिंकी यादव, दिव्या सरोज, लक्ष्मी यादव और इच्छा मिश्रा द्वारा किया गया। प्रियंशु त्रिपाठी ने समाज के सत्य पर आधारित नाटक प्रस्तुत किया। एक विशेष मनोरंजन कार्यक्रम उर्जा फाउंडेशन की सदस्य श्रीमती.ऋद्धि त्रिवेदी (गायक और वॉयस मेकओवर आर्टिस्ट) द्वारा प्रस्तुत किया गया और अंश सिंह ने गायक प्रदर्शन प्रस्तुत किया। नृत्य प्रदर्शन दो समूहों द्वारा प्रस्तुत किए गए, जिनमें अदिति विश्वकर्मा, आर्यन विश्वकर्मा, सेमिता और नंदनी शामिल थीं।बाद में, 20 अनाथ छात्रों को 5000 तक की वित्तीय सहायता और नोटबुक वितरित किए गए।

कार्यक्रम में कई अतिथियों ने शिरकत किया। जिनमें शामिल हैं:मुरलीधर पांडे (लेखक),अंकुश देशमुख (अभिनेता),केशव पंडित

(सेवानिवृत्त नौसेना अधिकारी),अनमत अहमद,डॉ. पूजा यादव, प्रमोद दुबे (समाज सेवक), ऋद्धि त्रिवेदी (संगीतकार और वॉयस मेकओवर आर्टिस्ट), विशाल गुप्ता (प्रिंसिपल, लायन्स आदर्श हाई स्कूल) शामिल रहे। इस विशेष अवसरों पर ट्रस्ट ने भारतीयों को डिजिटल बनाने के लिए दो स्कॉलरशिप कार्यक्रम शुरू किया है, जिसमें पहला स्कॉलरशिप कार्यक्रम केवल 101 में कंप्यूटर कोर्स सीखने के लिए है और दूसरा स्कॉलरशिप कार्यक्रम के तहत कंप्यूटर कोर्स पर 55% की छूट प्रदान करता है। कार्यक्रम का समापन माँ सुशीला सोशल आइकन अवाड्र्स के विजेताओं के सम्मान के साथ हुआ। अनमत अहमद (जीवन में अपनी असाधारण साहस से लाखों छात्रों और लोगों को प्रेरित करने के लिए),डॉ. नीता प्रसाद (सुशिर्मला फाउंडेशन की संस्थापक) , स्नेहा शर्मा (अश्वमेध फाउंडेशन) हम सभी दान दाताओं के आभारी हैं जिन्होंने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में मदद की। इस मौके पर सत्या त्रिपाठी,सूरज दुबे, अरविंद पटेल,राकेश तिवारी, मोहित दुबे,राकेश पटिल,अतुल यादव, गणेश सिंह,गगन सोनी, देवानंद मौर्य आलोक सिंह,दुर्गा प्रसाद विश्वकर्मा, विंद्यवासिनी यादव, प्रियंका त्रिपाठी, नेहा यादव,सोनाली यादव, पूनम कनोजिया, पूर्वी सिंह,अंश सिंह,रुबी सिंह, साक्षी सिंह, पूनम कनोजिया,शिवम, नितिन, राज, अंकित, राजधर, बुरहानुद्दीन तिनवाला (कैमरा मैन), काजल ,अजय,इंद्रेश आदि लोग मौजूद रहे।

जीएम मॉड्यूलर ने 'फतेह' की विशेष प्रीमियर स्क्रीनिंग आयोजित की

मुंबई। इनोवेटिव इलेक्ट्रिकल सॉल्यूशन में अग्रणी जीएम मॉड्यूलर ने मुंबई के सिटी मॉल स्थित पीवीआर में बहुप्रतीक्षित फिल्म फतेह की विशेष प्रीमियर स्क्रीनिंग आयोजित की। इस कार्यक्रम में चैनल पार्टनर, आर्किटेक्ट और सीआईएसएफ के जवान मौजूद थे, जिससे यह एक यादगार अवसर बन गया।

इस स्क्रीनिंग में फतेह को पहली बार सार्वजनिक रूप से देखा गया, यह एक ऐसी फिल्म है जो अपने दमदार एक्शन सीक्वेंस, स्टार-स्टडेड कास्ट और आकर्षक कहानी के कारण पहले से ही काफी उत्साह बटोर चुकी है। हनी सिंह, अरिजीत सिंह और बी प्राक जैसे मशहूर गायकों ने फिल्म के संगीत में योगदान दिया है, जिससे फतेह ने देशभर के दर्शकों के बीच धूम मचा दी है। इस

कार्यक्रम में सीआईएसएफ के शीर्ष अधिकारियों, निर्देशक जो राजन और अभिनेता अर्जन बाजवा सहित कई जाने-माने अतिथि मौजूद थे। जीएम मॉड्यूलर का प्रतिनिधित्व जीएम मॉड्यूलर की निदेशक वर्षा जैन और जीएम मॉड्यूलर की निदेशक इशिका जैन ने किया। फतेह एक मनोरंजक कहानी पेश करता है जो न केवल मनोरंजन करता है बल्कि देश में साइबर अपराध से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों के बारे में दर्शकों को शिक्षित भी करता है। फि ल्म को लेकर शुरूआती प्रतिक्रियाएँ काफी सकारात्मक रही हैं, दर्शकों ने इसकी प्रभावशाली कहानी और साइबर सुरक्षा के बारे में जागरूकता बढ़ाने में इसके संदेश के महत्व की प्रशंसा की है। फतेह में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले अभिनेता सोनू सूद ने फि ल्म के बारे में अपने विचार साझा करते हुए कहा, ₹फतेह मेरे दिल के बहुत करीब है क्योंकि यह साइबर अपराध जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे को संबोधित करती है जो अनगिनत लोगों के जीवन को प्रभावित करता है। एक ऐसी परियोजना का हिस्सा बनना सम्मान की बात है जो न केवल मनोरंजन करती है बल्कि शिक्षित भी करती है और बदलाव के लिए प्रेरित करती है। मैं इस विशेष प्रीमियर की मेजबानी करने और सार्थक सिनेमा के लिए उनके निरंतर समर्थन के लिए जीएम मॉड्यूलर का आभारी हूँ।₹ इस अवसर पर टिप्पणी करते हुए, जीएम मॉड्यूलर के सीईओ जयंत जैन ने कहा, ₹फतेह एक ऐसी फिल्म है जो साइबर अपराध के ज्वलंत मुद्दे पर प्रकाश डालती है, और हमें इस तरह के सार्थक प्रोजेक्ट से जुड़ने पर गर्व है। हमारे चैनल भागीदारों, आर्किटेक्ट्स और बहादुर सीआईएसएफ जवानों के लिए इस प्रीमियर की मेजबानी करना उनके अमूल्य योगदान का जश्न मनाने का हमारा तरीका है।₹ जैकलीन फर्नांडीज, नसीरुद्दीन शाह और प्रतिभाशाली कलाकारों की टीम से सजी फतेह से उम्मीद है कि यह फिल्म अपनी संदेश-आधारित कहानी के साथ बॉक्स ऑफिस और उससे भी आगे तक महत्वपूर्ण प्रभाव डालेगी।